दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

वर्ष : 09 अंक : 297 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, बुधवार 27 नवम्बर, 2024 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

संविधान हमारे वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शक: मोदी

पीएम ने सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को किया संबोधित

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।। संविधान दिवस समारोह के अवसर पर सुप्रीम कोर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वकीलों और कर्मचारियों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि संविधान सभा की बहस के दौरान बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था कि संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं है। इसकी भावना हमेशा युग की भावना है।

आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब

मोदी ने कहा कि लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व का जब हम स्मरण कर रहे हैं, तब ये भी नहीं भूल सकते कि आज के ही दिन मुंबई में हुए आतंकी हमले की भी बरसी है। इस हमले में जिन व्यक्तियों का निधन हुआ, उन्हें मैं श्रद्धांजलि देता हूं। मैं देश का यह संकल्प भी दोहराता हूं कि भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वाले हर आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

भारत के नागरिकों की जरूरतें बदलेंगी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे संविधान निर्माता ये जानते थे कि भारत की आकांक्षाएं, भारत के सपने समय के साथ नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वो जानते थे कि आजाद भारत की और भारत के नागरिकों की जरूरतें बदलेंगी, चुनौतियां बदलेंगी। इसलिए उन्होंने हमारे संविधान को महज कानून की एक किताब बनाकर नहीं छोड़ा... बल्कि इसको एक जीवंत, निरंतर प्रवाहमान धारा बनाया।

पीएम मोदी ने कहा कि भारतीयों को त्वरित न्याय मिले, इसके लिए नई न्याय संहिता लागू की गई है। दंड आधारित व्यवस्था अब न्याय आधारित व्यवस्था में बदल चुकी है। पिछले 10 वर्षों में 53 करोड़ से ज्यादा ऐसे भारतीयों का बैंक खाता खुला है, जो बैंक के दरवाजे तक नहीं पहुंच पाते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, 4 करोड़ ऐसे भारतीयों को पक्का घर मिले हैं, जो कई कई पीढ़ियों से बेघर थे। पिछले 10 वर्षों में 10 करोड़ से ज्यादा ऐसी महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है, जो वर्षों से अपने घर में गैस पहुंचने का इंतजार कर रही थी।

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश का बहुत ज्यादा जोर देश के नागरिकों को ईज ऑफ लीविंग पर है। एक समय था जब पेंशन पाने वाले सीनियर सिटीजन्स को बैंक में जाकर साबित करना होता था कि वो जीवित हैं। आज सीनियर सिटीजन्स को घर बैठे ही डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की सुविधा मिल रही है।

संविधान की मूल भावना के तहत कार्य कर रही राज्य सरकार

भारत का संविधान दुनिया का सबसे प्रभावी संविधान: भजनलाल

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार संविधान में निहित लोक कल्याण की मूल भावना को सर्वोपरि मानते हुए प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने विभिन्न योजनाओं और नीतियों के माध्यम से संविधान की मूल भावना को साकार किया है। जन कल्याणकारी योजनाओं, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए कदमों से राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों जिससे समावेशी समाज का निर्माण हो सके। भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित **'संविधान दिवस कार्यक्रम'** को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन संविधान की महिमा का उत्सव और उन महान व्यक्तित्वों को याद करने का दिन है, जिन्होंने इस अद्भुत दस्तावेज का निर्माण किया। शर्मा ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे प्रभावी संविधान है। यह हमारे लोकतंत्र का आधार होने के साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का मार्गदर्शक भी है। इसमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्यों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें अधिकार देने के साथ ही कर्तव्यों की भी सीख देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश सैंकड़ों सालों की गुलामी सहने के बावजूद मजबूती से खड़ा रहा क्योंकि हमारे पूर्वजों ने अपने कर्तव्यों का निष्ठा के साथ पालन किया। हम सब भी अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा से पालन करें।

प्रधानमंत्री ने की संविधान दिवस मनाने की अभिनव पहल

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को हमारा संविधान अपनाया गया था और 26 जनवरी, 1950 को ये लागू हुआ, लेकिन संविधान दिवस मनाने की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। यह संविधान के मूल्यों, आदर्शों और हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास था। प्रधानमंत्री ने इस दिन को चुनकर हमें यह स्मरण कराया कि संविधान हमारे देश की आत्मा है और इसकी सुरक्षा और सम्मान हमारा प्रथम कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माण में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान के अन्य महान शिल्पियों का अतुलनीय योगदान है जिनकी कड़ी मेहनत और दूरदृष्टि की वजह से ही हमें ऐसा महान संविधान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबासाहेब अंबेडकर के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का निर्माण करवाया, जिससे उनके योगदान को सम्मान मिला।

संविधान दिवस के संदेश को प्रदेशवासियों तक पहुंचा रही राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से संविधान दिवस के संदेश को प्रदेशवासियों तक पहुंचाने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। हम संविधान में निहित मौलिक कर्तव्यों की पालना के बेहतर प्रयासों को सम्मानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस पर अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए अभियान चलाने जैसे प्रयास राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे हैं।

साथ ही, ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में विद्यालयों व सरकारी कार्यालयों में संविधान की प्रस्तावना के पठन सहित विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान को आत्मसात कर इसे सार्वजनिक जीवन में लागू करना और अपने कर्तव्यों का सर्वोत्तम पालन करना ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि संविधान में दिए गए मूल्यों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हमारा संविधान केवल एक पुस्तक नहीं बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतिबंब है। उन्होंने कहा कि हम सब एक नागरिक के रूप में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें लेकिन कर्तव्यों को भी नहीं भूलें तथा आपसी सहभागिता से सुशासन की स्थापना कर प्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाने में योगदान दें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपस्थित लोगों को संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया। इस दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विधि व विधिक संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज इनबॉक्स

शेयर बाजार में भारी गिरावट

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों को लेकर चिंता के बीच कमजोर वैश्विक बाजार रुख के अनुरूप मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी में दो दिन की तेजी थम गई और ये गिरावट के साथ बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 105.79 अंक या 0.13 प्रतिशत गिरकर 80,004.06 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 311.18 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 79,798.67 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 27.40 अंक या 0.11 प्रतिशत गिरकर 24,194.50 अंक पर आ गया।

राज्य सभा की छह सीटों पर चुनाव का ऐलान

जयपुर टाइम्स

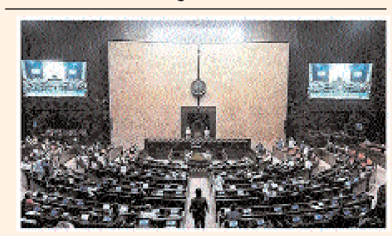

नई दिल्ली(एजेंसी)।। राज्यसभा उपचुनावों का एलान कर दिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की छह रिक्त सीटों के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इन सीटों पर 20 दिसंबर को चुनाव होंगे। नतीजे इसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे। जिन सीटों पर चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें से तीन सीटें आंध्र प्रदेश की हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, हरियाणा और ओडिशा की एक-एक सीट पर चुनाव कराए जा रहे हैं। सभी सीटें मौजूदा सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, उपचुनाव से जुड़ी अधिसूचना 3 दिसंबर को जारी की जाएगी। नामांकन की आखिरी तारीख 10 दिसंबर तय की गई है। 11 दिसंबर को नामांकन की जांच होगी। उम्मीदवार 13 दिसंबर तक नामांकन वापस ले सकते हैं। चुनाव 20 दिसंबर को कराए जाएंगे और नतीजे इसी दिन जारी कर दिए जाएंगे। चुनाव आयोग को 24 दिसंबर से पहले इन सीटों पर चुनाव संपन्न कराना है।

इमरान की पार्टी के मार्च के दौरान हिंसा में 6 जवानों की मौत , उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश

इस्लामाबाद(एजेंसी)।। पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों की तरफ से इस्लामाबाद के लिए जा रही रैली को रोकने के दौरान शुरू हुई झड़पों में अब तक सुरक्षाबलों के छह जवानों की मौत हो चुकी है। बताया गया है कि इस हिंसा में 100 से ज्यादा जवान घायल भी हुए हैं। इन हालात के बीच पाकिस्तान सरकार ने अब इस्लामाबाद में सेना को तैनात कर दिया है और उसे उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश भी दे दिए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार पर चुराए गए जनादेश, लोगों की अन्यायपूर्ण गिरफ्तारी और 26वें संशोधन के पारित होने की निंदा करते हुए 24 नवंबर को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसी के मद्देनजर खान के समर्थक बड़ी संख्या में इस्लामाबाद तक मार्च निकालने के लिए एकत्रित हुए। हालांकि, पीटीआई समर्थकों को राजधानी में प्रवेश करने और धरना देने के प्रयास को विफल करने के लिए अधिकारियों के कड़े इंतजाम किए। पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थक राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने और कई महत्वपूर्ण सरकारी भवनों राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और उच्चतम न्यायालय के नजदीक स्थित डी-चौक पर धरना देने जा रहे हैं। इसके बावजूद इमरान खान की रिहाई की मांग के साथ निकाले जा रहे इस मार्च में सुरक्षाबलों की कड़ाई के बाद हिंसा भड़क उठी। बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बल और पुलिस के जवानों के घायल होने के बाद अब इस्लामाबाद में सेना को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर आरसीडीएफ का परचम, दो बड़े पुरस्कारों से सम्मानित

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित भारत सरकार के पुरस्कार वितरण समारोह में राजस्थान सहकारी दुग्ध महासंघ (आरसीडीएफ) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो प्रमुख पुरस्कार अपने नाम किए। समारोह में भीलवाड़ा दुग्ध संघ की प्रतापपुरा दुग्ध उत्पादक समिति को श्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति और हनुमानगढ़ दुग्ध संघ के राजेंद्र कुमार व वीरेंद्र कुमार सैनी को बेस्ट एआई टेक्नीशियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आरसीडीएफ की प्रशासक एवं प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने इन पुरस्कारों को प्राप्त किया। पुरस्कार स्वरूप विजेताओं को तीन-तीन लाख रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

राजतिलक से उपजा तनाव बरकरार

जयपुर टाइम्स

उदयपुर(निस)।। पूर्व मेवाड़ राजघराने के विश्वराज सिंह मेवाड़ के सोमवार को हुए राजतिलक के रस्म के बाद सिटी पैलेस में कुलदेवता दर्शन को लेकर विवाद अभी थमा नहीं है। राजपूत समाज अभी भी सिटी पैलेस में स्थित धूणी और कुलदेवता के दर्शन विश्वराज सिंह को कराने की बात पर अड़ा हुआ है। मेवाड़ क्षत्रीय महासभा के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर दर्शन कराने की मांग की है। इधर, जिला प्रशासन ने आगाह किया कि कानून हाथ में लेना किसी भी पक्ष के लिए ठीक नहीं है। प्रशासन कानून व्यवस्था के लिए जो भी होगा कार्रवाई करेगा। राजतिलक के बाद विश्वराज सिंह सोमवार की शाम को सिटी पैलेस पहुंचे तो प्रमुख द्वार बंद थे। सिटी पैलेस के बाहर भारी पुलिस बल तैनात था। राजपूत समाज के लोग यह देख आक्रोशित हो गए। इधर प्रशासनिक अधिकारी कलेक्टर अरविंद पोसवाल, आईजी राजेश मीणा, एसपी योगेश गोयल दोनों पक्षों को समझाने में लगे थे, लेकिन दोनों ही पक्ष अपनी बात पर अड़े रहे। आखिरकार लोगों ने पुलिस का घेरा तोड़कर सिटी पैलेस में घूसने की कोशिश की। सिटी पैलेस से पथराव हुआ। रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच समर्थकों को संबोधित करने के बाद विश्वराज सिंह और समर्थक वहां से रवाना हो गए। पथराव के दूसरे दिन मंगलवार को भी सिटी पैलेस के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। आला अधिकारी भी मौके पर ही डटे रहे। इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कलेक्टर अरविंद पोसवाल ने कहा कि कानून हाथ में लेना समस्या का कोई समाधान नहीं है। चर्चा से हल निकाला जा सकता है। दोनों पक्षों से चर्चा चल रही है। पथराव करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने विवादित स्थल को लेकर रिसीवर नियुक्त कर दिया है। विश्वराज की ओर से धूणी और एकलिंगजी दर्शन को लेकर सवाल पर कलेक्टर ने कहा कि इसको लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

रीट परीक्षा की गोपनीयता एवं सुरक्षा पर जोर, तैयारियों की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस)।। राजस्थान में आगामी फरवरी में प्रस्तावित राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) को लेकर शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने गोपनीयता एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रश्न पत्रों के निर्माण, रख-रखाव एवं वितरण की प्रक्रिया में पूर्ण सावधानी बरतने और परीक्षा के सुचारू आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मंगलवार को शासन सचिवालय में हुई बैठक में कुणाल ने परीक्षा केंद्र निर्धारण, अभ्यर्थियों को उनके निकटतम जिलों में परीक्षा केंद्र आवंटित करने, और परीक्षा का आयोजन एक ही दिन में करवाने पर चर्चा की। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट की जाए। बैठक में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर के प्रशासक महेश शर्मा, सचिव कैलाश चंद शर्मा, संयुक्त शासन सचिव मुन्नी मीना, उप शासन सचिव श्री संजय माथुर और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। यह परीक्षा लाखों अभ्यर्थियों के लिए शिक्षक बनने का महत्वपूर्ण अवसर होगी, जिसके सुचारू संचालन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

तल्ख टिप्पणीः जब आप हारते हैं तो ईवीएम से हो जाती है छेड़छाड़!

सुप्रीम कोर्ट ने की बैलेट पेपर से चुनाव कराने की याचिका खारिज

चुनावों में धांधली का आरोप लगाने वालों को लगा झटका

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।। देश में चुनावों में धांधली का आरोप लगाने वालों को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे जुड़ी एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। दरअसल, जनहित याचिका में देश में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की गई थी। यह जनहित याचिका डॉ. केए पॉल ने दायर की थी. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता से पूछा कि ये याचिका दायर करने संबंधित आपको शानदार विचार कैसे मिला? जस्टिस विक्र म नाथ और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि जब आप चुनाव जीतते हैं, तो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ नहीं होती। जब आप चुनाव हार जाते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ हो जाती है।बैलेट पेपर से मतदान के अलावा याचिका में कई निर्देश मांगे गए थे। इसमें चुनाव आयोग को निर्देश देना शामिल है कि अगर कोई उम्मीदवार चुनाव के दौरान मतदाताओं को पैसे, शराब या अन्य प्रलोभन देने का दोषी पाया जाता है, तो उसे कम से कम पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया जाए। जब याचिकाकर्ता केए पॉल ने कहा कि उन्होंने जनहित याचिका दायर की है, तो पीठ ने कहा, आपके पास दिलचस्प जनहित याचिकाएं हैं। आपको ये शानदार विचार कहां से मिले? इस पर याचिकाकर्ता ने कहा कि वह एक ऐसे संगठन के अध्यक्ष हैं, जिसने तीन लाख से अधिक अनाथों और 40 लाख विधवाओं को बचाया है। इस पर पीठ ने कहा, आप इस राजनीतिक क्षेत्र में क्यों आ रहे हैं? आपका कार्यक्षेत्र बहुत अलग है। जब याचिकाकर्ता ने कहा कि सभी जानते हैं कि चुनावों में पैसे बांटे जाते हैं। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, हमें कभी भी किसी चुनाव के लिए कोई पैसा नहीं मिला। तब याचिकाकर्ता ने कहा कि उनकी याचिका में एक और प्रार्थना चुनाव प्रचार के दौरान पैसे और शराब के इस्तेमाल को लेकर यह सुनिश्चित करना है कि इस तरह की प्रथाएं प्रतिबंधित हों और कानून के तहत दंडनीय हों। याचिका में मतदाता जागरूकता बढ़ाने और निर्णय लेने के महत्व को बढ़ाने के लिए व्यापक मतदाता शिक्षा अभियान चलाने के निर्देश देने की भी मांग की गई है। पॉल ने आगे कहा कि आज 32 प्रतिशत शिक्षित लोग अपना वोट नहीं डाल रहे हैं। यह कितनी बड़ी त्रासदी है। अगर लोकतंत्र इसी तरह खत्म होता रहेगा और हम कुछ नहीं कर पाएंगे तो आने वाले वर्षों में क्या होगा।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने के लिए देशभर में अभियान चलाएगी कांग्रेस

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)।। देश में अगर फिर से बैलेट पेपर से होने वाली वोटिंग प्रक्रिया की शुरुआत नहीं होती है तो एक बड़ा अभियान कांग्रेस चलाएगी। यह कहना है कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे का। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाति जनगणना से डरते हैं क्योंकि उन्हें डर है कि फिर हर कोई अपना हिस्सा मांगना शुरू कर देगा। मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर आप वाकई देश में एकता चाहते हैं, तो आपको नफरत फैलाना बंद कर देना चाहिए। दरअसल, तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस पार्टी की ओर से मंगलवार को संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जहां पर उन्होंने ये टिप्पणी की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देश में होने वाली चुनावी प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चुनावों में पहले इस्तेमाल किए जाने वाले बैलेट पेपर सिस्टम की वापसी जाए। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम का समापन हो। उन्होंने कहा कि हमें ईवीएम नहीं चाहिए, हमें बैलेट पेपर चाहिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि देश में अगर फिर से बैलेट पेपर से होने वाली वोटिंग प्रक्रिया की शुरुआत नहीं होती है तो एक बड़ा अभियान कांग्रेस चलाएगी। मल्लिकार्जुन खरगे ने बैलेट पेपर की वापसी के लिए कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के पैमाने पर अभियान चलाने का भी आह्वान किया।

केंद्र सरकार पर साधा निशाना

मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आप सत्ता में आए और लूटपाट करके इसे अडानी, अंबानी और उनके जैसे अन्य लोगों को दे रहे हैं। इन लोगों ने कभी देश के बारे में नहीं सोचा। मोदी और वे एक-दूसरे के बारे में सोचते हैं। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि महाराष्ट्र के चुनावों में अडानी की अहम भूमिका थी।

CMYK

मेवात जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
27 नवंबर, 2024

सडक सुरक्षा एवं जीवन रक्षा कार्यक्रम के दूसरे दिन विद्यार्थियों को दी सडक सुरक्षा एवं गुड समेरिटन के नियमों की जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सडक दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सडक सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रचार-प्रसार हेतु 5 दिसम्बर तक आयोजित किए जा रहे सडक सुरक्षा एवं जीवन रक्षा कार्यक्रम के दूसरे दिन आज परिवहन विभाग के उडन दस्ते द्वारा चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल में विद्यार्थियों को सडक सुरक्षा एवं गुड सेमेरिटन नियमों की जानकारी दी गई तथा सडक सुरक्षा से संबंधित 300 पम्पलेट वितरित किए गए। साथ ही यातायात पुलिस एवं परिवहन उडन दस्तों द्वारा विभिन्न श्रेणी के 95 वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाई तथा प्रवर्तन कार्यवाही के अन्तर्गत बिना सीट बेल्ट के वाहन संचालन करने पर 3 चालान, बिना हेलमेट के वाहन संचालन पर 28 चालान, 6 ओवरलोड संचालित वाहनों पर चालान, बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र संचालित वाहनों के 12 चालान, निर्धारित गति से अधिक वाहन संचालन पर 54 चालान एवं नो पार्किंग के 16 चालान बनाए गए।

संविधान दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

संगोष्ठी में विचारकों ने कहा संविधान देश की आत्मा एवं आधारशिला

अलवर(निसं.)। संविधान दिवस के अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के तत्वावधान में सूचना केंद्र (पीआरओ ऑफिस) के सभागार में संगोष्ठी का आयोजित हुई जिसमें संविधान निर्माण से लेकर संविधान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालकर संविधान की विशेषताओं पर चर्चा की गई। संगोष्ठी में पूर्व विधानयक जयराम जाटव ने संविधान की विशेषताओं एवं इसके निर्माण की प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि संविधान में प्रत्येक जाति, धर्म, क्षेत्र के नागरिक को समान अवसर प्रदान किये गये हैं। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस हमें हमारे देश के संविधान के महत्व को समझने और इसके प्रावधानों का पालन करने का अवसर प्रदान करता है। हमें अपने देश के संविधान को समझना चाहिए और इसके प्रावधानों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे देश की आधारशिला है और यह हमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व के मूल्यों की याद दिलाता है। जिला परिषद के एसीईओ बबलीराम जाट ने उपस्थित लोगों को संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित प्रभुत्वसम्पन्न, समाजवादी, धर्म निरपेक्ष सहित सम्पूर्ण प्रस्तावना की विस्तार से व्याख्या कर कहा कि संविधान के मूल्यों को जीवन में आत्मसात कर प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के उपयोग के साथ अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करना चाहिए। एसोसिएट प्रोफेसर महेश गोठवाल ने देश में 26 नवम्बर को संविधान दिवस को व्यापक रूप में देशभर में मनाए जाने की शुरूआत करने पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त कर कहा कि इससे संवैधानिक मूल्यों का प्रसार जन-जन तक होगा। उन्होंने संविधान में दिए गए अवसरों एवं व्यवस्थाओं का सविस्तार उल्लेख किया। एसोसिएट प्रोफेसर भागीरथ मीणा ने संविधान का महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान के विकास की यात्रा पर के बारे में क्रमवार विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने दैनिक जीवन में संविधान के महत्व को उदाहरणों के माध्यम से बताया। एसोसिएट प्रोफेसर सुन्दरलाल बसवाल द्वारा संविधान को मनुष्य निर्मित अब तक की सर्वोत्तम रचना बताया गया। वहीं मुम्बई से आए एच. के बैरवा ने कहा कि संविधान का अच्छा होना या बुरा होना उसके उपयोग करने वालों पर निर्भर करता है। देश के आम नागरिक को अपने मूल्यों में लोकतांत्रिक चरित्र पैदा करना चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद् राजेश कृष्ण सिद्ध ने संविधान की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी। शिक्षाविद् ओमप्रकाश शर्मा ने संविधान निर्माण की यात्रा के बारे में बिन्दुवार अवगत कराया। एडवोकेट अशोक वर्मा ने संविधान के द्वारा नागरिकों को दिए गए अधिकारों एवं उनके संरक्षण के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

संगोष्ठी में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सहायक निदेशक मनोज कुमार ने अतिथियों का स्वागत माला पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर किया एवं कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद् दिनेश शर्मा एवं चितरंजन तिवाडी ने किया। इस दौरान प्रतिभागियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई एवं राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी सम्पन्न हुई। इस दौरान बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रविकान्त, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी अमन कुमार, नेहरू युवा केंद्र के लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक तोताराम गुर्जर, रजनीश जैमन सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान मंडप की धूम, महिलाओं के उत्पादों ने बटोरी सराहना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 43वें भारतीय अंतर्राष्टीय व्यापार मेले में राजस्थान मंडप ने अपनी खास पहचान बनाई है। विशेष रूप से जोधपुर के पाल गांव की कल्याणी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों ने महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा दी है। इन महिलाओं के उत्पाद न केवल दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि उनके आत्मनिर्भर बनने की कहानियां भी आगंतुकों को प्रेरित कर रही हैं। समूह की महिलाओं ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से फर्श से अर्श तक की यात्रा को साकार किया है। उनके उत्पादों की बिक्री मेले में बढ़-चढ़कर हो रही है, जिससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

जयपुरी रजाईयों की बनी पहली पसंद

राजस्थान मंडप में जयपुरी रजाईयों के स्टॉल पर खरीददारों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बुनकर अब्दुल रऊफ ने बताया कि हल्के वजन, गर्माहट और गुणवत्तापूर्ण कपास से बनी ये रजाईयां ग्राहकों की पसंद बन रही हैं। पारंपरिक सांगानेरी हैंड ब्लॉक प्रिंट और आधुनिक डिज़ाइन से सजी डबल बेड रजाईयां खास आकर्षण का केंद्र हैं।

बंधेज और लाख के आभूषणों की मांग

राजस्थान मंडप के भीतरी हिस्से में चुरू और बूंदी जिले से आए कारीगरों के उत्पादों को भी खूब सराहा जा रहा है। बंधेज की साड़ियां और दुपट्टे महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं, जबकि लाख से बने चूड़ियों और आभूषणों की भी अच्छी बिक्री हो रही है।

राजस्थान मंडप ने न केवल राज्य की कला और संस्कृति को मंच दिया है, बल्कि महिला उद्यमिता और परंपरागत कारीगरों को भी पहचान दिलाई है।

संविधान दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

राष्ट्र की आत्मा है भारतीय संविधान- जिला कलेक्टर

जयपुर टाइम्स

खैरथल(निसं.)। संविधान दिवस (26 नवम्बर 2024) के अवसर पर मंगलवार को पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खैरथल में प्रदर्शनी/संगोष्ठी और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।आरम्भ में दीप प्रज्वलन एवं डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का अतिथियों द्वारा शुभारंभ किया गया। आयोजन के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण विद्यालय अध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्रा मौजूद रहे तथा मंच का संचालन वरिष्ठ अध्यापक अभिषेक कौशिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर ने भारतीय संविधान को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए कहा कि संविधान प्रत्येक देशवासी को सशक्त बनाने के साथ-साथ जागरूक भी करता है। उन्होंने भारतीय संविधान पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह संविधान सभा द्वारा संविधान तैयार किया गया। संविधान की विशेषताओं और उद्देश्य को भी रेखांकित करते हुए उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक देशवासी को भारतीय संविधान के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि हस्तलिखित संविधान होने के साथ-साथ कठोर और लचीला भी है। इसमें सभी वर्गों और धर्मों का समावेश करते हुए सभी का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता के पश्चात संविधान सभा द्वारा संविधान तैयार करने की कार्यवाही शुरू की गई। इसमें सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व लिया गया। सभी की भावनाओं का ध्यान रखते हुए संविधान तैयार किया गया है। उन्होंने आह्वान किया कि भारतीय संविधान में दर्शाये गये अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी भारतवासी जागरूक रहे तथा मूल कर्तव्यों को अपने जीवन में अपनाने की बात कही। अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए बताया कि किस तरह भारतीय संविधान हमें सशक्त बनाता है। संविधान में जिन अनुच्छेदों और सूचियों का उल्लेख किया गया है, वह प्रत्येक देशवासी के जीवन में उपयोगी है। शिक्षा के साथ-साथ रोजगार प्राप्ति और जीवनयापन में भी भारतीय संविधान की महत्ता और उपयोगिता सदैव बनी रहेगी। इस दौरान संगोष्ठी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई। संगोष्ठी में वरिष्ठ अध्यापक अभिषेक कौशिक एवं विद्यार्थी खुशबू द्वारा भारतीय संविधान पर आधारित संबोधन दिया गया।

जिला कलक्टर ने किया जिला स्तरीय संविधान प्रदर्शनी का

आमजन के लिए कार्यालय समय में निः शुल्क खुली रहेगी प्रदर्शनी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने संविधान दिवस के उपलक्ष्य में सूचना केंद्र (पीआरओ ऑफिस) में लगाई गई जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ फीता काटकर किया।

जिला कलक्टर डॉ. शुक्ला ने संविधान दिवस की शुभकामनायें प्रेषित कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार संविधान दिवस पर जिला स्तरीय प्रदर्शनी का लगाई गई है।

इस प्रदर्शनी में संविधान निर्माण की यात्रा को ऐतिहासिक चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। उन्होंने आमजन से प्रदर्शनी के अवलोकन का आह्वान किया।

उन्होंने कहा की संविधान निर्माण की यात्रा को जानने के लिए जिले स्कूलो से विधार्थियों को अवलोकन कराया जावेगा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक मनोज कुमार ने बताया की आमजन के लिए यह प्रदर्शनी नियमित रूप से कार्यालय समय में खुली रखेगी। सभी नागरिक इसका निःशुल्क अवलोकन कर सकते है।

सेल्फी पॉइंट रहा आकर्षण का केंद्र

प्रदर्शनी में लगाया गया संविधान सेल्फी पॉइंट भी हर वर्ग का आकर्षण का केंद्र रहा जिसमें युवा वर्ग ने बढचढकर सेल्फी लेकर संविधान के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम मुकेश कायथवाल, नगर निगम आयुक्त जीतेन्द्र सिंह नरुका, सीएमएचओ डॉ. योगेंद्र शर्मा, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. महेश बैरवा, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रविकांत, नेहरू युवा केंद्र के लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक तोताराम गुर्जर एवं गोरधन सिंह सिसोदिया, सतीश यादव, रजनीश जैमन सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

देश का अतीत, इतिहास के पन्नो में होता है और देश का भविष्य, संविधान के पन्नो में होता है-मिश्रा

संविधान दिवस पर कांगेस के नवनिर्मित कार्यालय में हुआ विचार गोष्ठी का आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर की ओर से संविधान दिवस पर मंगलवार को अम्बेडकर नगर स्थित नवनिर्मित पार्टी कार्यालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कांग्रेसजनों को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मिश्रा ने कहा कि किसी भी देश का अतीत, इतिहास के पन्नो में होता है और देश का भविष्य, संविधान के पन्नो में होता है। संविधान की स्थापना का मूल उद्देश्य नागरिकों को उनके मौलिक अधिकार मिले, समाज में अंत्योदय हो, अंतिम पंक्ति में बैठे दलित, गरीब, शोषित और पीड़ित व्यक्ति का उद्धार हो। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा संविधान में निहित मूल्यां के लिए खड़ी रही है। पिछले एक दशक में, हमने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा संविधान की नींव को कमजोर करने और सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के प्रति इसकी प्रतिबष्द्धता को कम करने के व्यवस्थित प्रयासों को देखा है।

जिलाध्यक्ष मिश्रा ने कांग्रेस पार्टी के 26 नव बर, 2024 से 26 जनवरी, 2025 तक संविधान की रक्षा और इसके सिद्धांतों के प्रति पार्टी के समर्पण पर जोर देने के लिए 60 दिवसीय संविधान रक्षक राष्ट्व्यापी अभियान की शुरुआत भी की। इस अभियान को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए जिले के सभी प्रमुख कांग्रेसजनों को संगठित होकर रैलियां, घर-घर जाकर स पर्क करने, मीडिया से जुडने और जमीनी स्तर पर चर्चाओं के माध्यम से लोगों के साथ जोडना है। अंत में पूर्व विधायक श्रीराम मीणा, उमरैण ब्लॉक के पूर्व अध्यक्ष लालजी यादव एवं 26/11 मुंबई आतंकी हमले के शहीदों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, अजीत यादव, गफूर खान, फूलचंद शर्मा, रिपु दमन गुप्ता, शहर अध्यक्ष जे.डी. आर्यन, हरिशंकर रावत, जीत कौर सांगवान, लीली यादव, डॉ. पायल चौधरी, राजेश कृष्ण सिद्ध, अनवर साजिद खान, रमन सैनी, विक्रम यादव, राजेश विरमानी, कृष्ण कुमार खंडेलवाल, राजेश सैनी, संजय शुक्ला, सोनू गोपालिया, के.सी.मीणा, सुंदर पटेल, बी.डी.गुप्ता, योगेश शर्मा, नंद किशोर वर्मा, जमशेद खान, दिनेश जाटव, स्वराज सिंह, मनीष कोली, सरबजीत सिंह, चतुर्भुज यदुवंशी, प्रेम सिंह मीणा, राधेश्याम मीणा, संदीप सैनी, हुकुम सिंह, राकेश शर्मा, सहित अनेक कांग्रेसी मौजूद थे।

दुग्ध संघ अलवर द्वारा निर्मित दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों में 'स्वच्छता एवं गुणवत्ता' को बनाएं रखें- सेन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. अलवर में मंगलवार को भारतीय संविधान दिवस एवं राष्ट्रीय दुग्ध दिवस बड़े हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध संचालक सुरेश कुमार सेन द्वारा भीमराव अम्बेडकर के द्वारा लिखे गये महान भारतीय संविधान का हमारे जीवन में अनुसरण कर उसका महत्व बताया गया।

अलवर दुग्ध संघ के प्रबंध संचालक सुरेश कुमार सेन ने बताया की 26/11/2024 को ही डॉ0 वर्गीज कुरियन के द्वारा श्वेत क्रांती की स्थापना कर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। डॉ0 वर्गीज कुरियन द्वारा किसान / पशुपलकों के लिये स्थापित श्वेत क्रांती स पूर्ण भारत वर्ष में एक मील का पत्थर साबित हुई है। डॉ0 वर्गीज कुरियन द्वारा किसान/पशुपलकों के आर्थिक उत्थान के लिये प्रारम्भ की गई, इस महत्वपूर्ण योजना/क्रांती की पूरे विश्व में सराहना की जाती रही है। भारतीय संविधान दिवस एवं राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के शुभ अवसर पर दुग्ध संघ अलवर का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा है। इस अति महत्वपूर्ण अवसर पर प्रबन्ध संचालक दुग्ध संघ अलवर द्वारा, निर्मित दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों में स्वच्छता एवं गुणवत्ता बनाये रखने के दिशा-निर्देश प्रदान किये गये।

मत्स्य उत्सव के दूसरे दिन विभिन्न कार्यकम हुए आयोजित

मेहन्दी एवं रंगोली प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर प्रतिभा का परिचय दिया होप सर्कस से शुरू होकर निकाली गई शोभायात्रा, सागर पर हुआ दीपदान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि मत्स्य उत्सव के कार्यक्रमों की श्रृखंला में दूसरे दिन जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें आमजन द्वारा पूर्ण रूप से सहभागिता के साथ उत्साहपूर्वक भाग लेकर इन कार्यक्रमों को सराहा गया।

योगा फॉर ऑल का हुआ आयोजन

उन्होंने बताया कि मत्स्य उत्सव के दूसरे दिन आज प्रातः कम्पनी बाग में आयुर्वेद विभाग की ओर से योगा फॉर ऑल का आयोजन हुआ जिसमें स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा आमजन को स्वस्थ जीवन जीने की जानकारी देते हुए योग कराया। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, आयुर्वेद विभाग से डॉ. पवन शेखावत सहित अधिकारीगण, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

मेहन्दी व रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मत्स्य उत्सव के अवसर पर पुराना सूचना केंद्र में राजकीय एवं निजी विद्यालयों तथा कॉलेजों के विद्यार्थियों की मेहन्दी, रंगोली एवं पारम्परिक मांडने विषय पर प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें बडी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट अलवर के प्रधानाचार्य श्री सूबे सिंह यादव ने बताया कि कक्षा 6 से 8 तक, कक्षा 9 से 12 तक एवं कॉलेज स्तर पर मेहन्दी प्रतियोगिता आयोजित हुई जो परम्परागत डिजाइन पर आधारित थी। इसी प्रकार पेन्टिग प्रतियोगिता कक्षा 6 से 8 तक के लिए जल ही जीवन विषय पर, कक्षा 9 से 12 के लिए ग्रीन एण्ड क्लीन अलवर विषय पर एवं कॉलेज स्तर के लिए अलवर के पर्यटन स्थल विषय पर तथा कक्षा 6 से 8 तक के लिए पारम्परिक रंगोली, कक्षा 9 से 12 तक के लिए अतुल्य अलवर एवं कॉलेज स्तर पर पारम्पिरिक मांडने विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित हुई।

शोभायात्रा में दिखा लोक बिरंगी संस्कृति के रंग, सागर जलाशय पर हुआ दीपदान कार्यक्रम आयोजित

मत्स्य उत्सव के तहत लोक संस्कृति के रंग बिखेरती शोभायात्रा होप सर्कस से शहर के मुख्य बाजार त्रिपोलिया, जगन्नाथ जी का मंदिर होती हुई सागर तक पहुंची। शोभायात्रा में कच्छी घोडी नृत्य, चकरी नृत्य, गैर नृत्य, भांगडा नृत्य सहित अनेक दलों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। इस दौरान बडी संख्या में महिलओं पारम्परिक वेशभूषा में यात्रा में भाग लिया। इसी प्रकार मत्स्य उत्सव के कार्यक्रमों की श्रृंखला में सागर जलाशय पर दीपमाला कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें अधिकारीगणों एवं बडी संख्या में आमजन ने भी दीपदान किया। दीपदान कर जिले की खुशहाली की कामना की।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर , बुधवार
27 नवंबर, 2024

दिव्यांगजनो के पंजीयन हेतु पंचायत समिति जमवारामगढ में शिविर का आयोजन आज

जयपुर टाइम्स

जमाल(निसं.)। जिला कलेक्टर जिला जयपुर के आदेशो की पालना में बुधवार को पंचायत समिति जमवारामगढ में प्रातः 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक दिव्यांग जनो के पंजीयन हेतु उपखंड स्तरीय शिविर का आयोजन किया जायेगा। उपखंड अधिकारी ललित मीणा ने बताया कि कैंप में डिजिटल दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड का पंजीकरण किया जाएगा। जिसमें मेडिकल बोर्ड द्वारा जांच कर दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किये जायेगें। इस शिविर में दिव्यांगजनों को मूल-निवास प्रमाण पत्र,परिवार की वार्षिक आय का घोषणा पत्र, दिव्यांग प्रमाण पत्र (यदि पहले बना हो तो),आधार कार्ड,जनाधार कार्ड, फोटो 3 (दिव्यांग दर्शाते हुए), बिजली/पानी का बिल सहित विभिन्न दस्तावेज साथ लाने आवश्यक है।

बलाई विकास समिति ने मनाया संविधान दिवस

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.)। शहर के मोरीजा रोड़, बी-2, गुलाब विहार कॉलोनी में स्थित बलाई समाज सभा-भवन में मंगलवार को बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता एवं समिति के संरक्षक व बीएसएनएल के सेवानिवृत मुख्य पर्यवेक्षक रामकिशोर राय के मुख्य आतिथ्य में 75 वां संविधान दिवस मनाया। सभी ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित की। मुख्य अतिथि रामकिशोर राय ने डॉ. अंबेडकर का संविधान में योगदान व उनके कार्यों के बार में विस्तार से बताया।

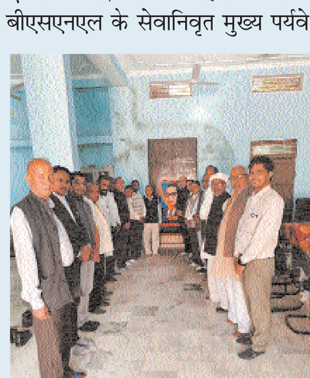

सेवानिवृत सीबीईओं बनवारी लाल दायमा, गुलाबचंद लाखीवाल, सेवानिवृत प्रधानाचार्य राजेन्द्र प्रसाद काला आदि ने भी डॉ.अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला। समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया व कोषाध्यक्ष घनश्याम कांदेल ने पदभार ग्रहण किया। इसके पश्चात संरक्षक रामकिशोर राय, सेवानिवृत सीबीईओं बनवारी लाल दायमा, जीसी लाखीवाल, सोहनलाल सरावता, पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट धर्मेंद्र कुमार घसिया, पूर्व महासचिव हनुमान सहाय झाटीवाल, पूर्व उपकोषाध्यक्ष गोपालचंद सोगण का माला, साफा एवं पंचशील का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान पूर्व उपाध्यक्ष रामावतार बॉयला, पूर्व सचिव गोपाललाल तंवर, एलआईसी डीओं सुरेश कुमार मेहरियां, डॉ. मुकेश कुमार तानावाड, प्रभुदयाल हरसोलिया, एडवोकेट मनोहर परिहार, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, एडवोकेट कैलाश वर्मा, एडवोकेट अश्वनी वर्मा, नरेन्द्र तंवर, कैलाश लाखीवाल आदि समाजबंधु मौजूद थे।

नपाध्यक्षा सावित्री देवी स्वामी के मुख्य आतिथ्य में हुआ मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन

जयपुर टाइम्स

नरैना (निसं)। मंत्री मौहल्ला स्थित आदर्श विद्या मंदिर में मातृ सम्मेलन का आयोजन नपाध्यक्षा सावित्री देवी स्वामी के मुख्य आतिथ्य व समाजसेवी रामरतन मालू की अध्यक्षता में किया गया। नपाध्यक्षा सावित्री देवी स्वामी ने मातृशक्ति द्वारा समाज में महत्वपूर्ण योगदान के बारे में प्रकाश डाला। इस दौरान मातृशक्ति के लिए प्रश्नोत्तरी व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में चंद्रिका दाधीच,सोनिया भार्गव,सुभाष झा, किशोरी लाल शर्मा, भगवान सहाय कुमावत,चांदमल शर्मा, प्रधानाचार्य शंकर लाल गहनोलिया सहित मातृ शक्तियां उपस्थित रही।

उपखण्ड अधिकारी ने बड़नगर में किया स्वास्थ्य एवं शिक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

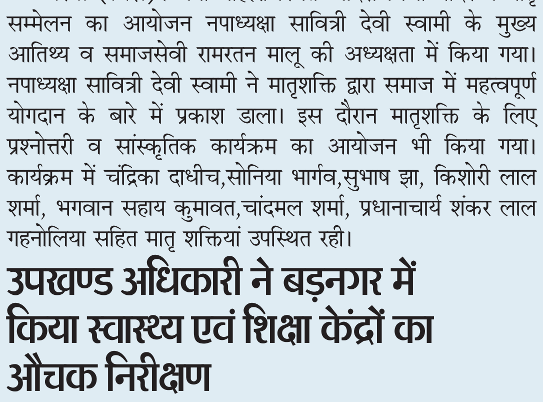

जयपुर टाइम्स

पावटा(निसं.)।उपखण्ड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय ने बड़नगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रोगियों से बातचीत की और उनके इलाज के बारे में जानकारी ली। सर्दी, जुकाम, बुखार व खांसी से ग्रस्त कई मरीजों ने इलाज से संतुष्टि व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान निःशुल्क दवा वितरण केन्द्र, लैब, वार्ड और ओपीडी का भी जायजा लिया गया। संस्थागत प्रसव न होने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए और साफ-सफाई बेहतर रखने के निर्देश भी दिए।इसके बाद, उपाध्याय ने तुलसीपुरा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया और वहां की सुविधाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान, उन्होंने रा. उ. मा. विद्यालय बड़नगर में संविधान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने संविधान के महत्व, बच्चों के लिए **गुड टच-बेड टच** और अन्य कानूनी जानकारी के बारे में जागरूक किया।आंगनवाड़ी केंद्र बड़नगर का भी निरीक्षण किया गया, जहां बच्चों के पोषण और शिक्षा से संबंधित सुविधाओं का मूल्यांकन किया गया। उपखण्ड अधिकारी द्वारा किए गए इन निरीक्षणों से स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

धूमधाम से मनाया गया संविधान दिवस

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) कस्बे में बस स्टैंड स्थित अंबेडकर सर्किल पर डॉ अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माला पहनाकर पुष्प अर्पित किए गए। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष शांतिलाल वर्मा ने संविधान दिवस का महत्व बताया और कहा कि हर साल 26 नवंबर को राष्ट्रीय संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसे संविधान दिवस के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने संबोधित करते हुए बताया कि भारत में संविधान दिवस को 26 नवंबर के दिन मनाया जाता है। इसके पीछे खास कारण है। इस दिन साल 1949 में भारत की संविधान सभा की ओर से भारत के संविधान को अपनाया गया था। पूर्व पालिका अध्यक्ष रतन राजोरा ने बताया कि 26 जनवरी 1950 को देश का संविधान लागू किया गया था। 26 जनवरी को हम हर साल गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों को राह दिखाता है। नोनीहाल सिंह बाबा भीमराव अंबेडकर नमन करते हुए कहा कि मैं भारत का संविधान हूं। तुमको राह दिखाता हूं।

पथ की सारी बारीकी को बारीकी से सिखलाता हूं। उलझे न भारत का कोई, सदा जतन यह करता हूं। रातों के अंधकार में भी, मैं दीपक सदा जलाता हूं। मैं भारत का संविधान हूं, तुमको राह दिखाता हूं उक्त पंक्तियों के माध्यम से संविधान की जानकारी दी। इस मौके पर शांतिलाल वर्मा,रतन राजोरा,गणपत हटवाल, लक्ष्मीकांत वर्मा,नोनीहाल सिंह,पार्षद प्रमोद मीणा, श्रवण वर्मा, जगदीश सुणिया,ताराचंद तंवर, गजेंद्र, ताराचंद,नाथू लाल, सुरेश खोवाल,विश्राम सिंह,भगत सिंह, राजेंद्र, गोपाल लखन, फकीरचंद, महेश वर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे ।

महाविद्यालय में मनाया संविधान दिवस पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

जयपुर टाइम्स

कोटखावदा(निसं.)। चाकसू उपखंड क्षेत्र के राजकीय महाविद्यालय कोटखावदा में मंगलवार 26 अक्टूबर को संविधान को अंगीकृत के 75 वर्ष पूर्व होने के उपलक्ष्य में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ संविधान की आत्मा - प्रस्तावना की विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से पठन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा भी संविधान के प्रति अपनी समझ एवं संवैधानिक तथ्यों पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रो. रामकुमार देवांगन ने बताया कि राइट टू वोट (मतदान अधिकार)ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण अधिकार है उसी के द्वारा ही व्यक्ति संविधान के अस्तित्व को बनाए में अपना योगदान दे सकता है। डॉ0 प्रीतम राज द्वारा संविधान का इतिहास एवं संविधान की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या डॉ शिप्रा वर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि आज संविधान दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों है तथा प्रस्तावना के मुख्य शब्द धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, प्रजातंत्र तथा

अस्स्तू से लेकर वर्तमान तक संवैधानिक विकास को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में महाविघालय के संकाय सदस्य डॉ. प्रकाश चंद, बिन्नी साहू डॉ सत्यनारायण, सचिन, अरविंद उपस्थित रहे। आज 27 नवम्बर को पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 एवं महिला स्वच्छता हेतु विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा ।

उपखंड मुख्यालय समेत आसपास के क्षेत्र में संविधान दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पावटा(निसं.)। संविधान दिवस पर पावटा उपखंड मुख्यालय समेत आसपास के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को याद किया गया। मंगलवार को पावटा शहर में अशोका शोरिंग पब्लिक स्कूल के तत्वाधान में भी तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। निदेशक विक्रम कसाना ने बताया कि रैली को विधायक प्रतिनिधि आशीष धनकड़ व उपखंड अधिकारी कपिल कुमार ने उपखंड मुख्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संविधान दिवस पर निकाली तिरंगा रैली नवोदय कट से सर्विस रोड़ होते हुए सुभाष चौक, चमत्कारी चौराहा, घंटाघर चौक होते हुए होली चौक से पुन उपखंड कार्यालय जाकर समापन हो गई। इस मौके पर व्यापार मंडलों समेत आमजन द्वारा जगह जगह पुष्प वर्षा कर तिरंगा रैली का स्वागत किया गया। इस मौके पर तहसीलदार संजीव खेदड़, सहायक अभियंता संजीव जाखड़, एसीबीईओ सुरेश कसाना, पीईईओ पूरण कसाना, कैलाश सैनी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

7 हजार रूपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 3 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देषानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में सांगानेर जोन के साथ संयुक्त कार्यवाही के दौरान बम्बाला पुलिया, एलआईसी ऑफिस के सामने एवं पिंजरापोल गौशाला से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध 7 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज कर 03 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में सांगानेर जोन के साथ संयुक्त कार्यवाही के दौरान बम्बाला पुलिया, एलआईसी ऑफिस के सामने एवं पिंजरापोल गौशाला से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 03 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 7 हजार रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

विद्युत कर्मचारियों का एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन, सरकार की नीतियों पर जताई आपत्ति

जयपुर टाइम्स

पावटा(निसं.)। राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर नीचे पावटा कस्बे में विद्युत कर्मचारियों ने एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के माध्यम से कर्मचारियों ने सरकार की विद्युत क्षेत्र की नीतियों पर विरोध जताया और अंधाधुंध निजीकरण पर रोक लगाने की मांग की।धरने का नेतृत्व सहायक अभियंता संजीव जाखड़ ने किया, जिन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल और ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के नाम एसडीएम कपिल कुमार उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कर्मचारियों ने सरकारी नीतियों के खिलाफ अपनी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा कि इन नीतियों से राज्य की विद्युत व्यवस्था और सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सहायक अभियंता सुभाष यादव (HTM) ने कहा कि राज्य सरकार विद्युत उत्पादन, प्रसारण और वितरण के विभिन्न मॉडल और प्रक्रियाओं के नाम पर निजीकरण को बढ़ावा दे रही है, जिससे राज्य के आर्थिक हितों के साथ-साथ आम जनता, किसानों और कर्मचारियों के अधिकारों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। धरने के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी आशीष अग्रवाल, कनिष्ठ अभियंता पंकज गढ़वाल, देवीलाल जाखड़, धर्मेंद्र सामरिया, हरिसिंह यादव, मुकेश चौहान, महेन्द्र यादव, कैल्सियम, अभिषेक, रंजन, हिम्मत, जयराम चौधरी, प्रकाश कुमावत, गोविंद शर्मा सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय 'पोषण भी पढ़ाई भी' की थीम पर प्रशिक्षण शिविर शुरू

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दी जा रही है ट्रेनिंग

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत पचकोडिया मे ब्लॉक की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए अटल सेवा केन्द्र पर तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण शिविर में 0 से 3 वर्ष के बच्चों में प्रारंभिक बाल्यावस्था और 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था में शिक्षा सुदृढीकर्ण के लिए ÷पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सांभर सीडीपीओ सपना मोर्य,जोबनेर सीडीपीओ काजल भाटी व रेनवाल सीडीपीओ मधु दुबे के सानिध्य मे यह प्रशिक्षण शिविर 25 नवंबर से 27 नवंबर तक आयोजित होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में ब्लॉक की कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।सीडीपीओ सपना मोर्य ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में 0 से 6 वर्ष के बच्चों में मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर का मूल उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में स्कूल से पहले शिक्षा और शैक्षणिक दृष्टिकोण को विकसित करना है। प्रशिक्षण शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षकों के द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास में आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को पढ़ाने के नए तरीकों को प्रोजेक्टर के माध्यम से बताते हुए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभाग की ओर से पाठ्य सामग्री, पोस्टर, चार्ट और टीचिंग मटेरियल भी निशुल्क उपलब्ध करवाया गया है। सीडीपीओ ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 25 से 27 नवंबर तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अस्तल और कैरा टीबा की ढाणी में पेयजल की किल्लत, समस्या से निजात दिलाने की मांग

- जलदाय विभाग और ग्राम पंचायत प्रशासन से कई बार शिकायत कर चुके
- समस्या की ओर ध्यान नही

जयपुर टाइम्स

पावटा(निसं.)।उपखंड क्षेत्र के फतेहपुरा पंचायत के राजस्व ग्राम रूपपुरा के अस्तल और कैरा टीबा की ढाणी में इन दिनों पेयजल संकट गहरा गया है। ग्रामीण रंजीत कुमार ने बताया कि गांव में पेयजल की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। लोग जलदाय विभाग और ग्राम पंचायत प्रशासन से कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन इस गंभीर समस्या की ओर किसी का ध्यान नहीं है। गांव के अधिकांश बोरवेल सूख चुके हैं, और सुबह से लेकर शाम तक गांव की महिलाएं और बच्चे पानी के लिए इधर-उधर भटकते रहते हैं। जहां पानी की

उपलब्धता है, वहां भी बिजली आने के बाद ही पानी मिल पाता है। ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत रूपपुरा में बोरिंग और टंकी का निर्माण करवाया गया था, लेकिन ठेकेदार ने रिकॉर्ड में यह दर्ज कर दिया कि अस्तल और कैरा टीबा की ढाणी में 40 नल कनेक्शनों में पानी चालू कर दिया गया है। असलियत यह है कि वहां के अधिकांश घरों में पानी पहुंचने की तो बात दूर, पाइप लाइन भी नहीं बिछाई गई है। इस वजह से लोगों को सर्दी के मौसम में भी पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। जीएसएस अध्यक्ष बजरंग लाल यादव, वार्ड पंच महेश कुमार, लालाराम, श्रीराम, अनिल कुमार, रामजीलाल, मोहन गुर्जर, शिवराम सहित अन्य ग्रामीणों ने जलदाय विभाग और पंचायत प्रशासन से अविलंब पेयजल समस्या का समाधान करने की मांग की है। हंसराज गुर्जर, जेईएन, जलदाय विभाग, कोटपूतली ने बताया कि ÷यदि नल कनेक्शनों में कोई गलती हुई है तो हम इसकी जांच करवाएंगे और पेयजल से संबंधित समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

संपादकीय .....

यूपी मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा, दुर्भाग्यपूर्ण घटना से लेना होगा सबक

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश के संभल में स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा भड़क उठी और इसके चलते तीन लोगों की जान चली गई। इसके अतिरिक्त कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता।

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी।

यह अच्छा नहीं हुआ कि मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न की। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव बना रहेगा। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया, लेकिन यह उचित नहीं होगा कि प्रत्येक मस्जिद में मूर्तियों की खोज की जाए और यथास्थिति में बदलाव की मांग की जाए।

संभल हिंसा से सुलगते सवालों का जवाब आखिर कौन देगा?

कहते हैं कि लम्हों ने खता की और सदियों ने सजा भुगती। भारत देश और भारतीय इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। मुहम्मद बिन कासिम जैसे मुस्लिम आक्रांताओं और उनके अनुगामियों ने तलवार की नोंक पर भारत की देशज सत्ता हथियाने के बाद यहां की सनातन सभ्यता-संस्कृति के साथ जो खिलवाड़ किया, उसका हिसाब-किताब अब उनकी धर्मांतरित पीढ़ियों को देना पड़ रहा है। खासकर मंदिरों को ढहाकर जिन मस्जिदों का निर्माण किया गया, उनकी मुक्ति यानी जीर्णोद्धार का अभियान अब स्थानीय प्रशासन के गले की हड्डी बन चुकी है।

देखा जाए तो ऐसे मामलों में कभी आपसी विवाद, तो कभी न्यायिक आदेश के अनुपालन में सिविल व पुलिस प्रशासन को अपनी सक्रियता दिखानी पड़ती है, लेकिन कानून का राज स्थापित करने में उनकी विफलता से जब तब सांप्रदायिक दंगे भी भड़क जाते हैं जिससे धन-जन की भारी क्षति भी होती है। अतीत की बात यदि भुला दी जाए तो भी स्वतंत्र भारत की यह एक बड़ी चुनौती है, जबकि यह हिंदुओं के हिस्से का हिंदुस्तान है, क्योंकि मुस्लिमों को तो पाकिस्तान दे ही दिया गया, जिसका भाग ही बंगलादेश है।

लेकिन भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने के बजाय धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करना, फिर वोट बैंक की राजनीति के तहत मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अपनाना और आतंकवाद पर समझौतापरस्त रुख अपनाने की प्रतिक्रियाओं में उभरे राष्ट्रवाद व हिंदुत्व की जनभावना ने जब बदले की कार्रवाई शुरू की तो तथाकथित धर्मनिरपेक्ष ताकतों में खलबली मच गई। रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद और उसके न्यायसंगत समाधान ने तथाकथित धर्मनिरपेक्ष नेताओं के सत्ता की चूलें हिला दीं और हर ओर उनका पतन हुआ।

अब रामजन्मभूमि मुक्ति मिशन के पूरा होने के बाद न केवल मथुरा-काशी, बल्कि वैसे तमाम मंदिरों की मुक्ति के सवाल जनमानस में सुलगने लगे हैं, जिन्हें बर्बरतापूर्ण कार्रवाई के बाद मस्जिदों में तब्दील कर दिया गया था। चूंकि इतिहास खुद को दुहराता है, इसलिए अब धीरे-धीरे पुराने गड़े मुर्दे उखड़ने लगे हैं, उखाड़े जाने लगे हैं। इसी कड़ी में उत्तरप्रदेश के संभल जनपद के सदर तहसील स्थित दीपा सराय की जामा मस्जिद को जब हिंदू पक्ष श्री हरिहर मंदिर होने का दावा कर रहे हैं और उनके इसी दावे के आधार पर कोर्ट ने जब मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, तो फिर कानून के अनुपालन में कार्य कर रहे लोगों के विरुद्ध शांतिप्रिय समुदाय द्वारा बवाल काटने को न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि संभल के कैला देवी मंदिर के ऋषिराज गिरी समेत आठ वादियों ने सिविल जज सीनियर डिविजन आदित्य कुमार सिंह की चंदौसी स्थित कोर्ट में इस बाबत एक वाद दाखिल किया है। जिसके दृष्टिगत कोर्ट ने कमिशन गठित कर रिपोर्ट मांगी है। इस मामले की अगली सुनवाई 29 नवंबर 2024 को होगी। हिंदू पक्ष के एक स्थानीय वकील गोपाल शर्मा ने बताया है कि, कोर्ट में दायर याचिका में बताया गया है कि बाबरनामा और आइन- ए-अकबरी ने पुष्टि की है कि उस स्थान पर हरिहर मंदिर था। मंदिर को मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में ध्वस्त कर दिया था। लिहाजा इस मामले में उन्होंने कोर्ट में बाबरनामा और आइन-ए-अकबरी का संदर्भ दिया है, जिनसे साफ होता है कि वहां हरिहर मंदिर था। हिंदू पक्ष का कहना है कि मंदिर पृथ्वीराज चौहान के शासन से पहले बना था, जबकि मस्जिद मुगलकाल में मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी।

लिहाजा, महंत ऋषि राज गिरि महाराज आदि ने 19 नवंबर को सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर सर्वे की मांग की थी। इस मामले में सिविल जज के कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन मुख्य याचिकाकर्ता हैं। चूंकि चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह की अदालत में वाद दाखिल किया था। इसलिए कोर्ट ने इसी याचिका पर 7 दिन में सर्वे रिपोर्ट मांगी है, जिसे 29 नवंबर को जमा करना है। कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव के नेतृत्व में टीम ने 19 नवंबर की शाम को ही सर्वे की शुरुआत कर दी थी। रविवार को टीम सर्वे की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए दोबारा मस्जिद पहुंची थी।

मसलन, कोर्ट से सर्वेक्षण का आदेश जारी होने के बाद मंगलवार को जब पहली बार सर्वे हुआ, तब से ही मुस्लिम समुदाय में असंतोष फैलने लगा और उस दिन भी विरोध हुआ था। क्योंकि मुस्लिम पक्ष मान रहा है कि इस प्रक्रिया में जल्दबाजी की गई, उनको पर्याप्त समय या अवसर नहीं दिया गया। इसलिए सर्वेक्षण के दौरान मस्जिद के बाहर बड़ी संख्या में शांतिप्रिय समुदाय के लोग एकत्रित हो गए, जिससे स्थिति पहले तनावपूर्ण हुई, फिर अनियंत्रित हो गई। जिसे भारी मशक्कत के बाद नियंत्रित किया गया।

बताया जाता है कि मस्जिद में आमतौर पर रविवार दोपहर में नमाज होती है। ऐसे में सर्वे करने वाली टीम को इससे पहले आने के लिए कहा गया था। सर्वे टीम के वकील विष्णु शंकर जैन ने बताया कि सुबह साढ़े 7 बजे टीम पहुंची और 10 बजे तक सर्वे चला। फिर हम जरूरी तस्वीरें और विडियो लेकर जब निकलने लगे तभी भीड़ ने घेर लिया। फिर सर्वेक्षण टीम को सुरक्षित निकालने के क्रम में जो कुछ हुआ, वह न केवल योगी सरकार बल्कि शांतिप्रिय समुदाय के लिए भी एक कलंक है।

ऐसा इसलिए कि लखनऊ में बाजाप्ता एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि, ÷संभल में एक गंभीर घटना हुई। चुनाव के बारे में चर्चा को बाधित करने के लिए सुबह जानबूझकर एक सर्वेक्षण टीम भेजी गई थी। इसका उद्देश्य अराजकता पैदा करना था, ताकि चुनावी मुद्दों पर कोई बहस न हो सके। मैं कानूनी या प्रक्रियात्मक पहलुओं में नहीं जाना चाहता, लेकिन दूसरे पक्ष की बात भी नहीं सुनी गई। यह जानबूझकर भावनाओं को भड़काने और चुनाव में धांधली पर चर्चा से बचने के लिए किया गया था। संभल में जो कुछ हुआ, वह चुनावी गड़बड़ियों से ध्यान हटाने के लिए बीजेपी, सरकार और प्रशासन की ओर से किया गया था।÷

हालांकि, सवाल यह भी है कि एक न्यायिक और प्रशासनिक कार्रवाई को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सियासी रंग क्यों दिया? क्या सिर्फ इसलिए कि अल्पसंख्यक मुस्लिम वर्ग उनका वोट बैंक है? आखिर वह इस बात से अनजान क्यों हैं कि संभल जिला प्रशासन ने शनिवार को ही शांति भंग की आशंका में जिन 34 लोगों को 10 लाख रुपये तक के मुचलके पर पाबंद किया, उसमें सपा के संभल सांसद जिया उर रहमान बर्क के पिता ममलुकुर रहमान बर्क भी शामिल हैं। वहीं, इस मुचलके पाबंदी के ठीक एक दिन बाद वहां जिस तरह से आगजनी व फायरिंग की गई, जिसमें कुछ लोग हताहत भी हुए, उससे तो यही पता चलता है कि सर्वेक्षण टीम व पुलिस पर हमलावरों को सियासी संरक्षण प्राप्त है। तभी तो संभल के जिला अधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने एक अधिसूचना जारी कर किसी भी बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि को अधिकारियों के आदेश के बिना संभल में प्रवेश करने पर रोक लगा दी है।

बता दें कि संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए दाखिल वाद के आधार पर सर्वे के लिए रविवार सुबह सात बजे कोर्ट कमिश्नर की टीम पहुंची तो संभल में बवाल हो गया। अचानक टीम के पहुंचने की सूचना पर जुटी भीड़ मस्जिद में दाखिल होने कोशिश करने लगी। फिर उन्हें रोकने पर भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। हिंसक हुई भीड़ ने चंदौसी के सीओ की गाड़ी समेत कई वाहनों में तोड़फोड़ कर दी और आग लगा दी। इसी बीच फायरिंग भी शुरू हो गई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। बवाल में घिरकर दो-तीन लोगों की मौत हो गई। कई अधिकारियों समेत दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

समसामयिक

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है।

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था।

इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निर्माता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया।

29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है।

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है।

चाहे अच्छाई का संदर्भ हो या कमजोरी का, पूरी तरह अच्छा या बुरा होने का विचार हकीकत नहीं हो सकता। तर्कशास्त्र, दर्शन शास्त्र और अध्यात्म, तीनों की मान्यता है कि पूर्णता का प्रतीक सिर्फ ईश्वर होता है, विचार या व्यक्ति नहीं। कुछ इसी अंदाज में भारतीय संविधान भी कुछ भारतीय विषयों को सही तरीके से चूक गया है। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन संविधानसभा के सदस्य महावीर त्यागी ने सवाल पूछा था, 'अपने संविधान में कहां हैं गांधी जी, कहां है गांधी के विचार।' बेशक तब तक गांधी की हत्या हो चुकी थी, लेकिन गांधी के विचारों की तासीर तब तक आज की तुलना में कहीं ज्यादा महसूस की जा रही थी। भारतीय आजादी हर भारतीय के संघर्ष का नतीजा है, लेकिन गांधी की अगुआई, उनकी वैचारिक रोशनी और रचनात्मक कार्यों के बिना आजादी की कल्पना भी बेमानी है। दिलचस्प यह है कि संविधान में महावीर त्यागी को गांधी के इन रूपों के दर्शन नहीं हो पाए। दरअसल गांधी भारतीय संविधान में देश की मूल इकाई गांव को बनाना चाहते थे, व्यक्ति को नहीं। भारतीय परंपरा में व्यक्ति की महत्ता तो है, लेकिन वह सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति की सामाजिकता का बेहतर रूप ग्रामीण समाज है। लेकिन गांधी के इस विचार को नेहरू ने ही नहीं, अंबेडकर ने भी नकार दिया। नकारने को लेकर दोनों के शब्द बेशक अलग थे, लेकिन उनका बोध एक ही था।

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था।

'मधुशाला' को लिखकर अमर हो गए बच्चन जी

हिंदी साहित्य के उत्तर छायावाद काल के कवियों में हरिवंश राय %बच्चन% (27 नवंबर 1907-18 जनवरी 2003) को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। हालांकि, बच्चन जी ने न केवल श्रेष्ठ कविताएं लिखकर पाठकों का मन मोहा, बल्कि अपनी गद्यात्मक रचनाओं के माध्यम से भी देशवासियों को अपना प्रशंसक बना लिया था। अपने दौर में कवि सम्मेलनों के सिरमौर माने जाने वाले बच्चन जी का आरंभिक जीवन संघर्षों और चुनौतियों से भरा हुआ था। किशोरावस्था में पहुंचते ही उन्होंने परिवार के कई लोगों को खो दिया, जिनमें उनकी पहली पत्नी श्यामा जी भी शामिल थीं। बता दें कि बच्चन जी ने दो विवाह किए थे। उनकी पहली शादी श्यामा नामक युवती के साथ सन् 1926 में महज 19 वर्ष की आयु में ही कर दी गई थी। दुर्भाग्य से, श्यामा जी लंबे समय तक पति का साथ नहीं निभा पाई। क्षय रोग से भीषण संघर्ष के बाद अंततरू 1936 में उन्होंने प्राण त्याग दिया। पत्नी की असमय मृत्यु के बाद बच्चन जी बिल्कुल अकेले पड़ गए। इससे उनके कोमल मन-मस्तिष्क को गहरा आघात सहना पड़ा और वे अवसाद के शिकार हो गए। पत्नी श्यामा देवी की बीमारी और फिर उनकी मृत्यु के कठिन दौर की मानसिक हलचल और उधेड़-बून को कविवर बच्चन ने अपनी आत्मकथा के प्रथम खंड %क्या भूलूं क्या याद करूं% में बड़ी ही सहजता और बेबाकी से लिखा है। इसकी कुछ प्रसिद्ध लोकप्रिय पंक्तियां इस प्रकार हैं- %क्या भूलूं क्या याद करूं मैं/ अगणित उन्मादों के क्षण हैं/ अगणित अवसादों के क्षण हैं/ रजनी की सूनी घड़ियों को/ किन-किन से आबाद करूं मैं/ क्या भूलूं क्या याद करूं मै...%

डॉ धर्मवीर भारती ने बच्चन जी की इस बेबाक और सहज शैली से प्रभावित होकर कहा था कि बच्चन हिंदी के हजार वर्षों के इतिहास में पहले ऐसे कवि और साहित्यकार हैं, जो अपने बारे में सबकुछ इतनी बेबाकी, साहस और सद्भावना से बयां कर देते हों। इसी प्रकार डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने भी स्वीकार किया है कि बच्चन की %क्या भूलूं क्या याद करूं% नामक पुस्तक में केवल उनका परिवार और व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि उसमें उनका समूचा काल और क्षेत्र भी गहरे रंगों में उभरकर आया है। देखा जाए तो एक कवि और साहित्यकार की व्यथा का उसकी रचनाओं में उभरकर आना एक स्वाभाविक प्रक्रिया मानी जाती है, लेकिन बच्चन जी जैसे बड़े कद के कवि और साहित्यकार ने अपनी आत्मकथा में जितनी उदारता दिखाई है, वह सचमुच उल्लेखनीय और सराहनीय है। हालांकि, जीवन में परस्पर प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण बच्चन जी के आचरण और व्यवहार में भले ही भाव विह्वलता ने आश्रय पाई हो, लेकिन उन्होंने कर्म की अपनी पूंजी को कभी व्यर्थ नहीं जाने दिया। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो हर परिस्थिति में हमेशा ही उनकी कर्मठता अन्य लोगों के लिए अनुकरणीय बनी रही। दरअसल, चरम दुख की घड़ी से उबरने के लिए बच्चन जी ने अपनी लेखनी को ही अपना साथी और सहारा बना लिया था, जिसने न केवल उन्हें अवसाद की गहरी खाई में डूबने से बचाया, बल्कि उससे उबरने में भी सहायता की।

यही कारण है कि बच्चन जी की कई कविताएं घोर निराशा के क्षणों में भी आशा की किरण जगातीं और घुप्प अंधेरे में भी प्रकाश की राह पर ले जाती हुई प्रतीत होती हैं। ऐसी ही उनकी %जो बीत गई सो बात गई% शीर्षक कविता की कुछ बेहद लोकप्रिय पंक्तियां इस प्रकार हैं- %जीवन में एक सितारा था/ माना वह बेहद प्यारा था/ वह डूब गया तो डूब गया/ अम्बर के आनन को देखो/ कितने इसके तारे टूटे/ कितने इसके प्यारे छूटे/ जो छूट गए फिर कहां मिले/ पर बोलो टूटे तारों पर/ कब अम्बर शोक मनाता है/ जो बीत गई सो बात गई...%

वैसे देखा जाए तो बच्चन जी की कविताओं में केवल संघर्ष, निराशा और आशा ही नहीं है। इसमें जीवंतता, उत्साह, उम्मीद, दृढ़ता और आत्मबल से परिपूर्ण स्वर भी भरपूर मौजूद हैं- %अकेलेपन का बल पहचान/ शब्द कहां जो तुझको टोके/ हाथ कहां जो तुझको रोके/ राह वही है दिशा वही/ तू जिधर करे प्रस्थान/ अकेलेपन का बल पहचान...%

वर्ष 1907 में उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिला स्थित बाबू पट्टी गांव में 27 नवंबर 1907 को जन्मे बच्चन जी के पिता का नाम लाला प्रताप नारायण श्रीवास्तव और माता का नाम सुरसती देवी था। बता दें कि बच्चन जी का वास्तविक नाम हरिवंश श्रीवास्तव था, लेकिन बचपन में माता, पिता तथा परिवार के अन्य बड़ों के द्वारा %बच्चन%, जिसका शाब्दिक अर्थ बच्चा या संतान होता है, कहकर बुलाए जाने के कारण बाद में वे इसी नाम से जाने गए और अंततः इसी नाम से उन्होंने साहित्यिक रचनाएं भी लिखीं।

मनोज बाजपेयी ने बताया डिस्पैच की शूटिंग के दौरान क्या थी चुनौती

गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2024 की शुरुआत हुई, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी भी नजर आए। अभिनेता ने अभिनय और फिल्म उद्योग के वर्तमान मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इसके अलावा, उनकी आगामी फिल्म डिस्पैच का प्रीमियर भी इस महोत्सव में हुआ। फिल्म के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने उन क्षेत्रों के बारे में बताया, जिन्हें वह बतौर अभिनेता तलाशना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग के दौरान घायल होने का भी जिक्र किया।

शूटिंग के दौरान मनोज बाजपेयी का घुटना हो गया था चोटिल

एक इंटरव्यू के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा, यह फिल्म एक पत्रकार की अंदरूनी और बाहरी दोनों दुनिया की खोज करती है। इन दोनों दुनियाओं में नेविगेट करने की कोशिश में, मेरे पैर कभी-कभी इधर-उधर हो जाते थे और इन सब में, मेरा घुटना घायल हो गया। यह अभी भी ठीक हो रहा है। बतात चलें कि फिल्म में मनोज बाजपेयी एक खोजी पत्रकार की भूमिका में हैं, जो एक बड़े वित्तीय घोटाले को उजागर करने के लिए घंटों काम कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी को बताया अनोखी

अभिनेता ने आगे कहा, यह एक बहुत ही अनोखी और वास्तविक स्क्रिप्ट थी। यह फिल्म एक अभिनेता के रूप में मेरे विकास के लिए काफी मददगार रही। डिस्पैच का निर्देशन कनु बहल ने किया है। इसके अलावा उन्होंने इसे इशानी बनर्जी के साथ मिलकर लिखा भी है। इसे आरएसवीपी मूवीज के बैनर तले रोनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में शाहाना गोसेमी और अर्चिता अग्रवाल भी नजर आने वाले हैं। फिल्म को बनाने के दौरान आने वाली चुनौती पर बाजपेयी ने कहा, जिस तरह से उन्होंने और इशानी ने स्क्रिप्ट लिखी थी, उसमें कोई भी लोकेशन दोहराई नहीं जा रही थी। यह एक अलग तरह की प्रोडक्शन चुनौती थी। हम सभी कोविड की डेल्टा लहर के दौरान संक्रमित हो गए थे, फिर हम शूटिंग शुरू करने के लिए वापस आ गए।

हाल में ही रिलीज हुआ है डिस्पैच का टीजर डिस्पैच का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसकी शुरुआत जॉय (मनोज बाजपेयी) के फ्लैट में खिड़की के शीशे टूटने से होती है। वह एक कोने में भागता है, तभी उसे पता चलता है कि उसकी खिड़कियों पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके जा रहे हैं। कुछ क्षण बाद, एक निजी नंबर से कॉल आती है, जिसमें उसे जांच बंद करने का निर्देश दिया जाता है। धमकी से विचलित हुए बिना, जॉय सच्चाई और सही कहानी की तलाश में दृढ़ रहता है।

मुझे स्ट्रॉन्ग रोल्स निभाने में काफी मजा आता है

अनीता हसनंदानी ने हाल ही में अपने शो सुमन इंदौरी में अपने किरदार देविका के बारे में बात की। उन्होंने मां बनने के बाद काम पर लौटने और मॉम गिल्ट के बारे में भी अपनी राय शेयर की....

डेली सोप पर वापसी करना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा

आरव को घर छोड़ना मेरे लिए एक मां के तौर पर काफी मुश्किल रहा है, लेकिन धीरे-धीरे इसके साथ एडजस्ट कर रही हू। काम पर लौटने की खुशी है, क्योंकि मुझे शूटिंग बहुत पसंद है और इसे काफी मिस कर रही थी। पर उसी खुशी के साथ मॉम गिल्ट भी है। मुझे लगता है कि पैरेंट्स के तौर पर हमें अपनी जरूरतों और पैशन का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हम अपनी लाइफ को बैलेंस कर सकें। रोहित भी मेरे काम के दौरान आरव के साथ पूरा समय बिताने की कोशिश करते हैं, ताकि उसे हमारी कमी महसूस न हो।

कई नई मदर्स को मॉम गिल्ट महसूस होता है, आपका एक्सपीरियंस कैसा रहा

में हमेशा से एक करियर वुमन रही हूं, 16 साल की उम्र से काम कर रही हूं लेकिन अब जब आरव आया है, तो अक्सर दिमाग में कन्फिलक्ट्स होते हैं। कई बार लगता है बस सब कुछ छोड़कर सिर्फ आरव के साथ रहूं और कभी लगता है कि मैं क्या कर रही हूं। इसलिए में बस फ्लो के साथ चलती हूं। मेरे लिए इंडस्ट्री में अच्छा ये है कि मेरे पास ये ऑप्शन है कि मैं काम को चुन सकती हूं। सो, में सोच-समझकर डिसाइड करती हूं।। लेकिन हां, मॉम गिल्ट सच में होता है।

अपने किरदार को निभाते हुए कितना एन्जॉय कर रही हैं

बहुत ही एक्साइटिंग और मसालेदार अनुभव है। देविका के किरदार में करने के लिए बहुत कुछ है, इतना कि मैंने कभी सोचा नहीं था कि किसी किरदार के लिए में खुद क्रिएटर को फोन करके कहेंगी इतने लेयर्स हैं कि में कन्फ्यूज हो रही हूं। इस किरदार में बहुत गहराई है, बहुत कुछ करने का मौका मिल रहा है। एक एक्टर के तौर पर में इसे पूरी तरह एन्जॉय कर रही हूं। इस किरदार के लिए मैंने इंदौर की महिलाओं को दिनचर्या और भावनाओं को गहराई से समझा। खासकर बड़ी-बुजुर्ग महिलाओं का प्यार और रुतबा, जो मां की आंखों में छिपी बातों और इशारों से समझा जा सकता है।

शुरुआत में आप और आपकी टीम ने इंदौर में शूटिंग की। वहां का अनुभव कैसा रहा

इंदौर में शूटिंग करना एक बेहद शानदार अनुभव था। शहर को एनर्जी कमाल की है, और मजा इस बात का था कि शो में इसे कैप्चर करने का मौका मिला। हम लोग वहां की लोकल संस्कृति में पूरी तरह घुल-मिल गए, छप्पन दुकान और सराफा बाजार में जाकर बहुत ही मजेदार स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाया। कुछ सीन हमने एक लोकल स्कूल में शूट किए और उस माहौल ने हमारे अपने स्कूल के दिनों की यादें ताजा कर दी। इंदौर के लोगों की गर्मजोशी और शहर का चार्म शूटिंग का एक खास अनुभव बना गया।

टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है

विश्व टेलीविजन दिवस के अवसर पर देवांगना चौहान, जो ड्राइव विद नैनो (सीजन 3) जैसे शो का हिस्सा रही हैं, जिसकी विजेता हैं, और धड़कन जिंदगी की, सपनों की छलांग, और सावी की सवारी, जैसे कुछ शो का नाम लें, ने कहा, मुझे लगता है कि टेलीविजन ने समाज को प्रभावित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मुझे वह समय याद है जब सास-बहू ड्रामा और समाज पर इसके प्रभाव का खुलासा हुआ था। उन्होंने बताया कि जब वह छोटी थी, तो जब वे दुकानों पर जाती थीं, तो वे सामान बेचते थे, और कहती थीं कि यह दीया और बाती हम या तुलसी सारे जैसा ही था। उन्होंने कहा, अब चीजें बहुत बदल गई हैं, लेकिन लोग टीवी और टीवी शो से बहुत प्रभावित हुए हैं, चाहे वह लुक हो, किरदार हो या जश्न हो। उन्होंने बताया कि टेलीविजन बहुत ही भरोसेमंद है और उनका मानना है कि लोग स्क्रीन पर दिखने वाले किरदारों से प्रभावित होने लगते हैं।

उन्होंने कहा, हर व्यक्ति जो टेलीविजन देख रहा है, वह धीरे-धीरे खुद में किरदार देखना शुरू कर देता है और घर में बैठकर किरदार और दर्शक जुड़ने लगते हैं। यह सिर्फ धारावाहिकों के बारे में नहीं है, बल्कि समाचार, संगीत और फिल्मों के बारे में भी है जो हमें देखने को मिलते हैं। टेलीविजन अधिक यथार्थवादी हो गया है, और यहां तक कि दर्शक भी अधिक यथार्थवादी हो गए हैं। टीवी अभी मुक्ति के चरण में है। मुझे नहीं लगता कि ओटीटी की तुलना टीवी से करने की जरूरत है, क्योंकि दोनों का अपना आकर्षण है। 90 के दशक की बच्ची देवांगना दूरदर्शन पर सुरभि और चित्रहार देखकर बड़ी हुई हैं।

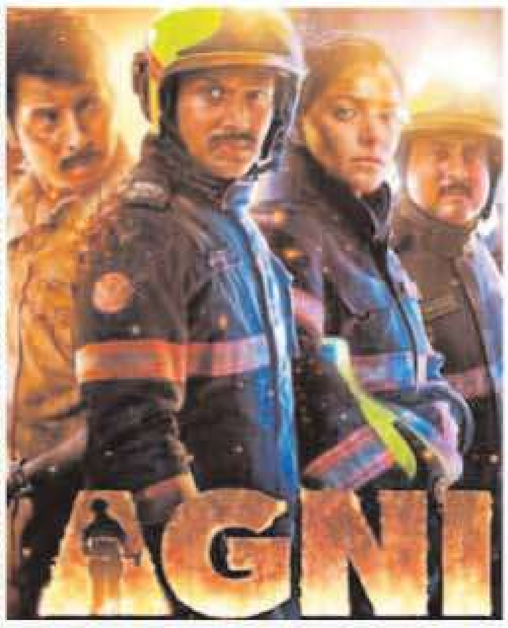

अग्निशामकों के साहस को श्रद्धांजलि देती है प्रतीक गांधी, दिव्येंदु की फिल्म अग्नि

राहुल ढोलकिया की आगामी फिल्म अग्नि का ट्रेलर 21 नवंबर को जारी किया गया। यह फिल्म अग्निशमन कर्मियों की बहादुरी और बलिदान का जश्न मनाएगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता राहुल ढोलकिया द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में प्रतीक गांधी और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सैयामी खेर, साई ताम्हणकर, जितेंद्र जोशी, उदित अरोड़ा और कबीर शाह भी इसमें सहायक भूमिका में हैं। दो मिनट 42 सेकंड के ट्रेलर में विठ्ठल (प्रतीक गांधी) और उसके बहनोई समित (दिव्येन्दु), जो एक तेजतर्रार पुलिस अधिकारी है, शहर में लगी आग के पीछे के रहस्य को उजागर करने के लिए एक साथ मिलकर काम करते हैं। जैसे-जैसे वे अपने मतभेदों और समय के खिलाफ दौड़ से जूझते हैं, उन्हें मामले को सुलझाने और मुंबई को आसन्न आपदा से बचाने के लिए व्यक्तिगत संघर्षों को सुलझाना होगा।

निर्देशक राहुल ढोलकिया ने कहा, अग्नि के साथ, मैं एक ऐसी कहानी लाने के लिए रोमांचित हूं जो अग्निशामकों की बहादुरी का जश्न मनाती है और उनकी भावनात्मक यात्राओं की खोज करती है। अग्निशामक असल जिंदगी के नायक हैं, जो अनगिनत जोखिमों और चुनौतियों का सामना करते हैं। यह फिल्म उनके बलिदान, निष्ठा और लचीलेपन को श्रद्धांजलि है। अभिनेता प्रतीक गांधी ने इस परियोजना को परिवर्तनकारी बताया और कहा, अग्नि सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है; यह अग्निशामकों के साहस को श्रद्धांजलि है - हमारे समाज के गुमनाम नायक। उनकी चुनौतियों को समझना सम्मान की बात है, और मैं दर्शकों को मानवीय लचीलेपन की इस कहानी का अनुभव कराने के लिए उत्सुक हूँ। सह-कलाकार दिव्येंदु ने इस भूमिका को अपने करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। अग्निशमन कर्मियों की गहन दुनिया में डूबे एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाना बहुत सार्थक था। अग्नि ने मुझे अपने शिल्प की कच्ची और भावनात्मक गहराई का पता लगाने में सक्षम बनाया, और मुझे विश्वास है कि यह दुनिया भर के दर्शकों को पसंद आएगा, द रेलवे मेन अभिनेता ने कहा। फिल्म का प्रीमियर 6 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर होगा।

रूल ब्रेकर्स में फीबी वालर ब्रिज के साथ काम करेंगे अली फजल

ली फजल बॉलीवुड के साथ हॉलीवुड में भी अ एक्टिव हैं। उन्हें वहां की बड़ी फिल्म फ्रेंचाइज में काम मिलता रहा है। अली ने हाल ही में आगामी फिल्म रूल ब्रेकर्स में एक्ट्रेस फीबी वालर ब्रिज के साथ काम करने की घोषणा की। एंजेल स्टूडियोज द्वारा निर्मित यह प्रोजेक्ट अली के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और मील का पत्थर है। दो बार के ऑस्कर विजेता बिल मुटेंग द्वारा निर्देशित रूल बेकर्स अफगानिस्तान में लचीलेपन और अवज्ञा के विषयों की पड़ताल करती है। इस फिल्म में अली की भागीदारी एक एक्टर के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विभिन्न शैलियों में विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी क्षमता को दर्शाती है। अली ने कहा... मैं रूल ब्रेकर्स का हिस्सा बनकर और फीबी वालर ब्रिज जैसी प्रतिभाशाली एक्ट्रेस के साथ स्क्रीन शेयर करके रोमांचित है। यह प्रोजेकट मेरे साथ गहराई से जुड़ता है और मेरा मानना है कि ऐसी कहानियां बताना महत्वपूर्ण है जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में व्यक्तियों की ताकत और लचीलेपन को उजागर करती हैं। में इस कथा को जीवंत करने और विश्व स्तर पर दर्शकों तक पहुंचने के लिए उत्सुक हूं। फीबी के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए अली ने आगे कहा... में एक फिल्म का सपोर्ट करने में सक्षम होने के लिए इतना रोमांचित हूं कि यही कहूंगा कि हर माता-पिता को अपनी बेटी को सिनेमाघरों में ऐसी फिल्म देखने के लिए ले जाना चाहिए और कहानी इतनी प्रेरणादायक होने के कारण यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि फीबी ने भी इसमें कदम रखा। बेशक वह टैलेंट का पावरहाउस है इसलिए मुझे यकीन है कि उनके जुड़ने से फिल्म नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। हम लड़कियों के लिए अफगानी रोबोटिक्स टीम के साथ रोया महबूब की लाइफ और उनकी जर्नी के विभिन्न फेज में अहम भूमिका निभाते हैं।

साउथ सिनेमा में विलेन के रोल में नजर आए ये बॉलीवुड स्टार्स, बॉबी से लेकर संजय का नाम शामिल

बॉलीवुड के कई सितारे हैं, जिन्होंने साउथ की फिल्मों में खलनायक की भूमिका में खूब नाम कमाया है। इन दिनों बॉबी देओल अपनी फिल्म कंगुवा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। बॉबी के अलावा सैफ अली खान और संजय दत्त ने भी साउथ की फिल्मों में खूंखार विलेन के किरदार निभाएं हैं। आइए जानते हैं किस बॉलीवुड अभिनेता ने कौन सी फिल्म में कैसा किरदार निभाया है।

बॉबी देओल-कंगुवा

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल इन दिनों अपनी साउथ फिल्म कंगुवा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कंगुवा से पहले बॉबी फिल्म एनिमल में अबरार की भूमिका से खूब चर्चा बटोर चुके हैं। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना अभिनित फिल्म एनिमल में बॉबी का किरदार भले ही खूंखार विलेन अबरार का था, लेकिन उनका अभिनय हर किसी को बेहद पसंद आया। अब वहीं बॉबी साउथ फिल्म कंगुवा में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में बॉबी को विलेन के किरदार में देखने के लिए दर्शकों काफी उत्साहित हैं। फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है और इसमें बॉबी का भयानक लुक भी सामने आ चुका है। कंगुवा को इस साल की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म माना जा रहा है।

सैफ अली खान-देवरा

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान लगातार कई फिल्मों से प्रशंसकों का दिल जीतते आए हैं। लेकिन क्या आपको पता है सैफ को खलनायक की भूमिका में प्रशंसकों ने भरपूर दिया। यहां बात कर करे हैं फिल्म देवरा पार्ट 1 की। सैफ ने साउथ की फिल्म देवरा पार्ट 1 में खलनायक की भूमिका निभाई, जिसने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। सैफ ने देवरा में विलेन भैरा का किरदार निभाया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। सैफ के अलावा फिल्म में जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की जोड़ी नजर आई थी।

संजय दत्त- केजीएफ चैप्टर 2

केजीएफ चैप्टर 2 साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक रही है। इसका पहले पार्ट केजीएफ को भी काफी सफलता मिली थी। एक 2022 भारतीय कन्नड़ भाषा की एक्शन फिल्म को प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया था। फिल्म को विजय किरागांदुर ने अपने होम्बले फिल्म्स बैनर के तहत इसका निर्माण किया है। केजीएफ चैप्टर 1 से ज्यादा सफलता केजीएफ चैप्टर 2 को मिली। इस फिल्म के दूसरे पार्ट में साउथ अभिनेता यश ने जमकर प्रसिद्धी हासिल की। केजीएफ 2 में विलेन के रोल में संजय दत्त को भी खूब पसंद किया गया। फिल्म में संजय ने अधीरा नाम के खलनायक की भूमिका निभाई, जो हर किसी के दिल में घर कर गई।

अक्षय कुमार-फिल्म 2.0

2.0 फिल्म में रजनीकान्त, एमी जैक्सन, भीमा डगला और अक्षय कुमार मुख्य किरदार में नजर आए थे। इस साउथ फिल्म में अक्षय ने एक विलेन की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अक्षय ने पंछी राजन की भूमिका निभाई, जो कि एक साइंस प्रोफेसर होता है, लेकिन उसके इरादे काफी खतरनाक होते हैं।

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर–जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस–दस रुपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया ? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी ? उसने उन सभी में अंक बढ़ा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं। लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने ? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साडी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपडे वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी–लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी।

उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को 'म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे ? मैंने तो कहीं पढ़ा–सुना नही। यदि हैं तो गई भारत से ही होंगी न ? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।'

बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें। सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस–पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट–गेम इज्जत का फलूदा करते–कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से नहीं आएगी दुर्गन्ध

अपनाएं ये आसान टिप्स

सर्दियों के मौसम में हवा में नमी होने की वजह तो कई बार गलत तरीके से कपड़ों की सफाई करने से तो कभी गलत तरीके से कपड़े को रखने से बदबू आने लगती है। अगर कपड़े की सफाई से लेकर उसे रख-रखाव पर अच्छे से ध्यान दिया जाए तो किसी भी मौसम में कपड़ों से बदबू नहीं आएगी।

यार, 'आज ही तो इसे अलमारी से निकाला है पहनने के लिए और पता नहीं इस ड्रेस से अजीब किस्म की दुर्गंध आ रही है'। कुछ दिन पहले भी स्वेटर और कोट निकाला था पहनने के लिए उससे भी ठीक ऐसी ही दुर्गन्ध आ रही थी'। शायद, आपने ने भी किसी न किसी से ये शब्द जरूर सुना होगा कि गर्मी के मौसम तो नहीं लेकिन, सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से एक अजीब किस्म की बदबू आती है। ऐसे में अगर अन्य कपड़ों से लेकर सर्दियों के कपड़ों से कुछ अजीब किस्म की बदबू आती है, तो फिर आपको इस लेख को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप किसी भी कपडे से दुर्गन्ध को आसानी से दूर कर सकती हैं, तो आइए जानते हैं।

गुलाब जल का इस्तेमाल करें

जी हां, सर्दियों में कपड़ों से किसी भी दुर्गन्ध को दूर करने के लिए जुलाब जल एक बेस्ट उपाय हो सकता है। इसके इस्तेमाल से ऊनी पकड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से भी दुर्गन्ध आसानी से गायब हो सकती है। इसके लिए फ्रेश कपड़ों पर छिड़काव करने की जरूरत नहीं बल्कि, सफाई के दौरान इस्तेमाल करने की जरूरत है। इसके लिए फॉलो करें आसान स्टेप्स–

- सबसे पहले दो से तीन लीटर पानी में तीन से चार चम्मच नॉर्मल डिटर्जेंट पाउडर को डालकर एक मिश्रण तैयार कर लीजिए।
- अब आप इस घोल में कपड़े को डालकर कुछ देर बाद अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद तीन से चार लीटर पानी में साफ किए कपड़े को अच्छे से धो लें।
- फिर से एक से दो लीटर पानी में एक से दो चम्मच गुलाब जल को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और इस पानी में साफ किए कपड़े को डालकर कुछ देर ले लिए छोड़ दें।
- लगभग 5 मिनट बाद पानी में से कपड़े को निकालकर अच्छे से पानी को निचोड़ लें और धूप में रख दें।
- ध्यान रहे जब तक कपड़ा एकदम ठीक से सुख न जाए तब तक उसे अलमारी में न रखें।
- इससे कपड़े में से कभी भी बदबू नहीं आएगी। कपड़ा हमेशा सुगंन्धित रहेगा।

ऊनी कपड़ों से ऐसे करें दुर्गन्ध को दूर

सर्दी के मौसम अगर सबसे अधिक किसी कपड़े से अजीब किस्म की बदबू आती है, तो वो है ऊनी के कपड़े। कई बार गलत तरीके से स्टोर करने या फिर नमी वाली जगह रखने पर इससे दुर्गन्ध आने लगती है। कई बार ठीक से सफाई न करने या फिर गलत डिटर्जेंट के इस्तेमाल करने से भी बदबू आने लगती है। ऐसे में ऊनी कपड़ों से किसी भी बदबू को दूर करने के लिए आप लेवेंडर ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए फॉलो करें ये आसान स्टेप्स–

- सबसे पहले तीन से चार लीटर पानी में इजी लिक्विड डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।
- अब इस घोल में स्वेटर और अन्य ऊनी के कपड़ों को डालकर लगभग 10 मिनट के बाद अच्छे से साफ कर लें।
- अब इन कपड़ों को फ्रेश पानी में अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद दो से तीन लीटर पानी में एक चम्मच लैवेंडर ऑयल अच्छे से मिक्स कर लें और इस मिश्रण में साफ ऊनी के कपड़े डालकर निकाल लें और अच्छे को पानी निचोड़ लें। इसके बाद इसे धूप में अच्छे से सुखने के लिए रख दें। इससे ऊनी कपड़ों से कभी भी दुर्गन्ध नहीं आएगी।

इन टिप्स को भी आप कर सकती हैं फॉलो

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर करने के लिए आप सिर्फ जुलाब जल या लैवेंडर ऑयल का ही इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं बल्कि, इसके अलावा कई चीजें हैं जिसके इस्तेमाल से आप कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर कर सकती हैं। सफाई के दौरान आप एक से दो चम्मच सिरका, चन्दन के तेल के अलावा आप अन्य किसी सेंटेड ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों का भी रखें विशेष ध्यान

- सर्दियों के मौसम में किसी भी कपडे को नमी वाली जगह रखने से बचें।
- ऊनी कपड़े या अन्य कपड़ों को कुछ समय के लिए धूप में जरूर रखें।
- वाशिंग मशीन में कपड़ों को साफ करते समय आप उसमें गुलाब जल, जैस्मिन ऑयल या फिर अन्य सेंटेड ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- अलमारी या अन्य जगह रखें कपड़ों पर आप सुगंधित स्प्रे का छिड़काव कर सकती हैं या सुगंधित स्प्रे से कॉटन को अच्छे से भिगोकर अलमारी में भी रख सकती हैं।
- अगर कपड़े में हल्का भी नमी है तो उसे फोल्ड करके अलमारी में न रखें बल्कि उसे हवा के नीचे रखें।
- सर्दियों के मौसम में ऊनी और अन्य कपड़ों को अलग–अलग रखने की कोशिश करें।

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना–बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है या वह पढ़ाई से जी चुरा रहा है, उसका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता हैं तो आप नीचे दिए गए टिप्स के अनुसार बच्चे के कमरे में वास्तु परिवर्तन करेंगे तो निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा तथा उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

अगर ऐसा होगा आपके बच्चे का रूम तो पढ़ाई में होगा सर्वश्रेष्ठ

- बच्चों के कमरे में पर्याप्त रोशनी आनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दिन में पढ़ते समय उन्हें कृत्रिम रोशनी की आवश्यकता ही न हो।
- जहां तक संभव हो सके, बच्चों के कमरे की उत्तर दिशा बिलकुल खाली रखना चाहिए।
- उनके किताबों की रैक नैऋत्य कोण में स्थित हो सकती है।
- खिड़की, एसी तथा कूलर उत्तर दिशा की ओर हो।
- बच्चों के कमरे में स्थित चित्र एवं पेंटिंग्स की स्थिति उनके विचारों को प्रभावित करती है इसलिए हिंसात्मक, फूहड़ एवं भड़काऊ पेंटिंग्स एवं चित्र बच्चों के कमरे में कभी नहीं होना चाहिए।
- महापुरुषों के चित्र, पालतू जानवरों के चित्र, प्राकृतिक सौंदर्य वाले चित्र तथा पेंटिंग्स बच्चों के कमरे में हो सकती हैं।
- भगवान गणेश तथा सरस्वती जी का चित्र कमरे के पूर्वी भाग की ओर होना चाहिए। इन दोनों की देवी - देवताओं को बुद्धिदाता माना जाता है अत : सौम्य मुद्रा में श्री गणेश तथा सरस्वती की पेंटिंग या चित्र बच्चों के कमरे में अवश्य लगाएं।
- आपका बच्चा जिस क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहा है, उस करियर में उच्च सफलता प्राप्त व्यक्तियों के चित्र अथवा पेंटिंग्स भी आप अपने बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं।
- यदि बच्चा छोटा हो, तो कार्टून आदि की पेंटिंग्स लगाई जा सकती है।
- बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करे अत : बच्चों के कमरे से घर की तरफ कोई खिड़की या झरोखा खुला हुआ नहीं होना चाहिए।
- बच्चों की श्रेष्ठ उन्नति के लिए उनके कमरे का वास्तु के अनुकूल होना आवश्यक है।
- यदि उपर्युक्त तथ्यों में आपके बच्चों के कमरे में कोई कमी है, तो उसे परिवर्तित कर वास्तु के अनुकूल बना सकते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से आपके बच्चे के मानसिक विकास एवं उसकी ग्राह्य क्षमता में परिवर्तन नजर आएगा।

पशुचर परीक्षा 2024 की पूर्व तैयारी बैठक आज

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा जिला मुख्यालय पर पशुचर परीक्षा 2024 का आयोजन 1 दिसम्बर से 3 दिसम्बर, 2024 तक प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा अपरान्ह 2:30 बजे से सांय 5:30 बजे तक दो सत्र में किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं समन्वयक परीक्षा धारा सिंह मीणा ने बताया कि 27 नवंबर को प्रातः 11 बजे केन्द्र अधीक्षक व अति केन्द्र अधीक्षक तथा दोपहर 2 बजे पर्यवेक्षक वे पेपर कॉर्डिनेटर की बैठक जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया जाएगा।

ग्राम पंचायत दौलतपुरा के सरपंच का पद रिक्त घोषित

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धारा सिंह मीणा द्वारा पंचायत समिति खण्डार की ग्राम पंचायत दौलतपुरा के सरपंच रामचरण गुर्जर की मृत्यु हो जाने पर राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम 1994 की धारा 39 (1) ड तथा राजस्थान पंचायतीराज नियम 1996 के नियम 26 एवं पंचायतीराज विभाग की अधिसूचना द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्राम पंचायत दौलतपुरा के सरपंच का पद तत्काल प्रभाव से रिक्त घोषित किया जाता है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से संविधान दिवस पर हुआ विशेष कार्यक्रम का आयोजन

संगोष्ठी और भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से संविधान के महत्व की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। संविधान दिवस के अवसर पर भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय सवाई माधोपुर की ओर से खेरदा स्थित संत योगदा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारतीय संविधान पर आधारित संगोष्ठी और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कार्यक्रम कार्यक्रम में केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रभारी अधिकारी नेमीचंद मीणा ने संविधान के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि संविधान सभी नागरिकों को मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता की गारंटी देने के साथ सरकार के कार्यों की रूपरेखा स्थापित करता है राष्ट्रीय संविधान दिवस संविधान के मूल्यो न्याय समानता और विविधता में एकता का महत्व की याद दिलाता है यह दिन नागरिकों को लोकतांत्रिक सिद्धांतों का सम्मान करने और उन्हें बनाए रखना के लिए प्रोत्साहित भी करता है हमारे देश का संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था लेकिन इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया । कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेश कुमार बैरवा ने संविधान के बारे में विस्तार से चर्चा की। राजनीतिक विज्ञान के अध्यापक वीरू लाल मीणा ने संविधान के महत्व संविधान के मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में नेहरू युवा केंद्र के महेंद्र कुमार शर्मा ने भी संविधान दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच में संविधान दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय के लगभग 10 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में मोहिनी बैरवा, शिफा जोया और दिलीप सिंह गुर्जर व गोलमा मीणा ने प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ ने संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की शपथ भी ली।

चार सम्प्रदाय वैष्णव समाज का ऐतिहासिक सामुहिक विवाह आयोजित, 21 जोड़े बने हमसफर साथी

सभी जोड़ो ने अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर निभाई शादी की रस्मे

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.) चार सम्प्रदाय वैष्णव समाज सामुहिक विवाह समिति गोड़वाड की और से समाज का आठवा सामुहिक विवाह मंगलवार को प्रचीन तीर्थ स्थल श्री निंबेश्वर महादेव मंदिर परिसर में महंत मगनीदास जी महाराज गोपाल द्वारा जैतारण एवं महंत श्री लक्ष्मणदास महाराज नृसिंह द्वारा सेवंत्री की पावन निश्रा में 21 नव युगलों ने वैदिक मंत्रों उच्चारण के बीच अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर परिणय सुत्र में बंधे एवं जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लिया। चवरी मण्डप के प्रवेश द्वार पर दुल्हन परिवार की महिलाओ ने मारवाड़ी गीतों के साथ कुंकुम का तिलक लगा कर भुआ आरती करते हुए ज्योतिषाचार्य पंडित अर्जुन व्यास व आचार्य जितेन्द्र व्यास द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ? विवाह की सभी रस्मे पूरी करवाई गई।विवाह समिति के अध्यक्ष पुखराज टीलावत खागडी की अध्यक्षता में नवदम्पतियों को आशीर्वाद देने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में राजेंद्र वैष्णव बाली,विशेष अतिथि डॉ गोपाल दास वैष्णव भीनमाल,भंवर लाल डेंडा,रतनदास वैष्णव बैंगलोर,सांवलदास वैष्णव फालना,जसवंत दास खिंवादी,भैरु दास मुण्डारा,रुप दास वैष्णव नोरवा,भंवर दास अनोपपुरा,हितेश रामावत नारलाई,हरिश वैष्णव के साथ बड़ी संख्या में समाजबंधु नवदम्पतियों को आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित थे।

आयोजन में दिखा अनुशासन

चार सम्प्रदाय वैष्णव समाज के सामुहिक विवाह समारोह में संस्कारों की गरिमा के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए सामुहिक विवाह समिति की और से प्रवेश पत्र जारी किए गए थे,जो बारातियों-धरातियों के साथ आयोजनकर्ताओं ने लगा रखें थे।विवाह स्थल पर सुबह सभी बरातो के पंहुचने पर दूल्हे-दुल्हन के सगे-संबंधियों ने एक दुसरे के गले मिलकर आपस में फुलमालाओ के साथ रंग-गुलाल डालकर मिलणी की वही सभी दूल्हों ने एक साथ तलवारों से तोरण मार कर तो भुआओ ने भुआ आरती के साथ दूल्हे की सांसु मां ने दूल्हों के कुंकुम से तिलक कर वदावदने किए।

पुष्प वर्षा के साथ बारातियों का हुआ स्वागत

विवाह स्थल पर सुबह सभी बरातो के पंहुचाने पर सामुहिक विवाह समिति के सदस्यों एवं समाज बंधुओं ने फूल बरसा कर सभी समाज बंधुओं का जोरदार उत्साह के साथ स्वागत किया। इसके बाद सभी दूल्हे-दुल्हनो की सामुहिक बंदोली बैणडबाजो व ढोल-थाली के साथ गाजों बाजो के साथ निकली गई।बंदोली में सभी बाराती-धरातियों के साथ युवक-युवतियां मस्ती में नाचते-गाते हुए करीब 7 बजे तोरण द्वारा पर पहुंचे।विवाह स्थल पर दुल्हन परिवार की महिलाएं राजस्थानी लोक गीत गाते हुए सभी दूल्हों का स्वागत किया।उसके बाद पौराणिक परंमपरा व हिन्दू संस्कृति के साथ शादी की रस्मे निभाते हुए अग्नि के समक्ष सात फेरे लेकर एक-दूसरे ने जीवन भर साथ निभाने की सौगन्ध खाई। विवाह समारोह के दौरान शाम 4 बजे करीब दुल्हनो को विदाई देते समय उपस्थित समाज बंधुओं के साथ उनके माता-पिता की आँखों में खुशी के आंसू छलक पड़े।उन्होंने अपनी बेटियों को खुशी-खुशी विदा किया।विवाह स्थल पर बारातियों के साथ अन्य नागरिकों के लिए जगह-जगह पर शीतल पेयजल,विश्राम के लिए छाया,भोजन-प्रसादी सहित अन्य सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध की गई थी।

बेटी बचाओ बेटी पढाओ का संकल्प दिलाया

विवाह समारोह पूरी तरह से नशा मुक्त रखा गया,साथ ही कार्यक्रम में समाज बंधुओं सहित समारोह में शरीक लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विवाह स्थल पर जगह जगह नशा मुक्ति, बेटी बचाओ बेटी पढाओ,विवाह एक नई जिम्मेदारी,नव दम्पति को जिसे निभाना है सहित समाज के बैनर तथा प्रदर्शनी लगाई गई।इस समारोह में उपस्थित सभी समाज बंधुओं को एक साथ संत- महात्माओं की और से बेटी बचाओ बेटी पढाओ का संकल्प दिलाया गया।

भामाशाहो के साथ अतिथियों का हुआ बहुमान

विवाह समारोह के दौरान आयोजित स्वागत समारोह में उपस्थित सभी भामाशाहो के साथ अतिथियों का आयोजन कमेटी की और से कुंकुम से तिलक कर श्री फल देकर राजस्थानी परंमपरा के अनुसार साफा व चुनरी ओढ़ाकर फुलमालाओ से जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पुखराज मोरखा, केशव दास नाडोल,तुलसी दास जालोर, मोहन दास,राजेश पुनाडिया, घीसुदास किरवा,जयराम दास, नरपत दास,दुर्गाप्रसाद चाचोड़ी,कपूरदास रानी,कैलाश भैसवाड़ा, सोहनदास, भंवरदास, बद्रीप्रसाद,घीसूदास किरवा, प्रवीण वैष्णव बाली, राजुदास माताजी गुड़ा, ईश्वरदास सुमेरपुर, सुरेशदास, भीकम दास तखतगढ़,कानदास रानी, बद्रीदास रानी गांव,दिनेश देसूरी सहित समाजबंधु सेवा कार्य में सदस्यों के साथ समाजबंधु उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन हितेश रामावत नारलाई व डॉ प्रवीण वैष्णव बाली ने किया।

अधिवक्ता की पहल ने दंपति जीवन को बचाया, पति पत्नी के बीच मतभेद को खत्म कर भेजा घर

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। एक अधिवक्ता की पहल ने दंपति जीवन को बचाकर एक साथ घर भेजा। अधिवक्ता महिपाल सिंह राजपुरोहित ने बताया कि सुमेरपुर सिरोही निवासी सोनू सैन व पंकज कुमार सैन के बीच पिछले 4 माह से आपसी मन मुटाव चल रहा था। और 4 माह पहले दोनों ने एक दूसरे से आपसी सहमति से तलाक नामा (नारदवा) निष्पादित कर अलग अलग हो गए थे। उसके बाद अधिवक्ता महिपाल सिंह राजपुरोहित के पास दोनों पक्षकार आए,जहां अधिवक्ता ने दोनों के मध्य सुलह करवा आपसी मतभेद को खत्म कर दाम्पत्य जीवन निर्वहन करने की सलाह दी। और कहा कि विवाह होना और एक दूसरे का जीवन साथी बनना ईश्वर तय करता है जिसके साथ आपस मे बंधन जुड़ता है।छोटी मोटी बातो से मनमुटाव कर आपस मे तलाक लेना हमारी भारतीय संस्कृति नही एक तलाक से न सिर्फ दोनों लोगो का जीवन प्रभावित होता। वही एक तलाक से दो परिवार दो कुल ओर हमारी पूरी संस्कृति व समाज प्रभावित होता है,इसलिए मनमुटाव वाली बातों को आपस मे बैठक

सुलह कर जीवन आगे बढ़ाना ओर साथ लेकर चलना ही हमारी संस्कृति धरोहर है। दोनों पक्षकार सोनू सैन ओर पंकज कुमार सैन के मध्य सुलझ कर एक दूसरे को माला पहना कर राजीखुशी एक साथ भेजा। इस अवसर पर अधिवक्ता नरेश कुमावत,टाइपिस्ट विशाल बोराणा व दोनों पक्षो के परिवार सदस्य उपस्थित रहे ।

नवभारत ट्रस्ट की ओर से दिव्यांग प्रीमियर पोस्टर विमोचन किया

ईओ राजपुरोहित ने दिव्यांग लिंग पोस्टर का विमोचन किया

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। नगर में पहली बार नवभारत सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा होने वाली सुमेरपुर-शिवगंज दिव्यांग प्रीमियर लीग के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी नरपतसिंह राजपुरोहित द्वारा किया गया। ट्रस्ट सदस्य अंजली अग्रवाल ने बताया कि बोर्ड ऑफ डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन इंडिया के चैयरमेन, तारा संस्थान उदयपुर के पाली एवं सिरोही जिला अध्यक्ष, भारतीय रेडक्रोस सोसायटी शाखा सुमेरपुर के चार्टर अध्यक्ष व ट्रस्ट के संस्थापक पंकज राज मेवाड़ा के सानिध्य में नगरपालिका ईओ राजपुरोहित एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रधानाचार्या डिम्पल चौधरी के हाथों दिव्यांग प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के पोस्टर का विमोचन करवाकर दिव्यांगजनो का हौसला अफजाई के लिए क्रिकेट टूर्नामेन्ट में आने का निमंत्रण दिया गया। साथ ही दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामनेंट में नगरपालिका द्वारा साफ-सफाई, टेंट, कुर्सियां एवं माईक की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया। ईओ व प्रधानाचार्य ने दिव्यांगजनो के क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करवाने की सराहना करते हुए बताया कि यह टूर्नामनेंट एक नई उम्मीद ओर उत्साह का संचार करेगा। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सफल कार्यक्रम की अग्रिम शुभकामनाएं दी। ट्रस्ट संस्थापक मेवाड़ा ने विद्यालय परिवार एवं नगरपालिका कर्मी, पार्षद गणों को परिवार सहित पधारने का निमंत्रण दिया एवं सुमेरपुर-शिवगंज व आस-पास के क्षेत्र के आमजन को भी कार्यक्रम में आने की अपील कर निवेदन किया कि आप सभी के आने से दिव्यांगजनों का उत्साह भी बढ़ेगा। इस मौके पर जेईएन ललित भारद्वाज, जेईएन कैलाश मीणा, एसआई यशवंत परिहार, पार्षद गोविंद राठौड़, नेनमल सोनी, अंजली अग्रवाल, राकेश भाटी, पूनम भारद्वाज, जानम राजपुरोहित, सुरजीत राठौड़, नंदिनी शर्मा, कुलदीप मेहरा, सुरेश कुमार, पालिका कर्मी एवं ट्रस्ट सदस्य उपस्थित रहें।

भारतीय संविधान के 75 वर्ष: जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का भव्य आयोजन

लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक आदर्शों का स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है संविधान दिवस: जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। जिला प्रशासन एवं कार्यालय सहायक निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क सवाई माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने की गरिमापूर्ण यात्रा एवं 10वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय सवाई माधोपुर में जिला स्तरीय संविधान प्रदर्शनी एवं संविधान संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिला कलक्टर शुभम चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने फीता काटकर संविधान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

उप निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क हेमन्त सिंह ने जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों एवं विद्यार्थियों को संविधान प्रदर्शनी का अवलोकन कराने के साथ-साथ संविधान निर्माण के बारे में विस्तार से जानकारी भी प्रदान की।

जिला कलक्टर ने सभी को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि यह दिन न केवल हमारे देश के लिए ऐतिहासिक है, बल्कि यह हमें अपने लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक आदर्शों का स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को हमारे देश ने संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया। यह केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे देश के हर नागरिक के अधिकारों, कर्तव्यों और समानता का आधार है। हमारे संविधान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी

लोकतांत्रिक भावना है। यह प्रत्येक नागरिक को न केवल अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार देता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि सभी को समान अवसर और सम्मान मिले। चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, लिंग या क्षेत्र से संबंधित क्यों न हो।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान की उद्देशिका, जिसे "हम भारत के लोग" से शुरू किया गया है, न केवल इस महान दस्तावेज़ का आत्मा है, बल्कि यह हमारे देश के लोकतांत्रिक और समावेशी स्वरूप का मूल आधार भी है। यह हमारे लिए मार्गदर्शक सिद्धांत प्रस्तुत करती है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे संविधान की मूल भावना को समझें और उसे अपने जीवन में इसको आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि हम सब न सिर्फ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, बल्कि अपने कर्तव्यों का भी निवर्हन अनिवार्य रूप से करें।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत का महत्व है। उन्होंने इस अवसर पर युवाओं से मतदाता के रूप में आवश्यक रूप से पंजीकरण करवाने एवं आगामी चुनावों में उनके मताधिकार का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की।

जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने कहा कि हमारा संविधान हमें मूल अधिकार प्रदान करने के साथ-साथ हमसे मूल कर्तव्यों के निवर्हन की अपेक्षा भी करता है। एक आदर्श नागरिक के रूप में हमारा दायित्व है कि हम संविधान के प्रति निष्ठा रखें, राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखें और अपने देश के विकास में सक्रिय योगदान दें।

उन्होंने कहा कि संविधान दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमारे देश की प्रगति और विकास में हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि संविधान की रक्षा और सम्मान करेंगे और इसके आदर्शों के अनुरूप अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

शिक्षक जुगराज बैरवा ने कहा कि भारतीय संविधान के 6 मूल अधिकारों एवं 11 कर्श्रव्यों की हमे न सिर्फ अध्ययन करें बल्कि उनकी अक्षरशः पालना भी करें। राष्ट्र में अलगांववादी, असामाजिक गतिविधियों से दूर रहे।

वरिष्ठ साहित्यकार प्रभाशंकर उपाध्याय ने युवाओं से कहा कि भारत के लोग संविधान की पालना करेंगे तभी प्रसन्न रहेंगे और देश को अखण्ड व मजबूत राष्ट्र के रूप में अक्षुण बनाए रखेंगे। प्रोफेसर डॉ. राजेश मीणा ने सभी को भारतीय संविधान की उद्देशिका की शपथ दिलाते हुए बताया कि हमारा देश एक समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, गणराज्य है जहां सभी को आर्थिक सामाजिक व राजनैतिक स्वतंत्रता संविधान द्वारा प्रदत्त है।

हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के पूर्व निदेशक एवं प्रोफेसर डॉ. रमेश वर्मा ने बताया कि जिन नियमों के आधार पर राष्ट्र का संचालन होता है उसे संविधान यानि की सभी के लिए विधान कहते है। आपकी सकारात्मक सोच, सूझ-बूझ, मेहनत लक्ष्य के प्रति एकाग्रता ही सफलता दिलाएगी। उन्होंने कहा कि संविधान हमे मनुष्य बनाता है, हमारे विकास का रास्ता सुनिश्चित करता है।

डॉ. अंजनी मथुरिया ने कहा कि अपने अधिकारों की जानकारी के साथ-साथ अपने कर्श्रव्यों को भी पहचाने नागरिक तभी एक सभ्यसमाज और राष्ट्र का निर्माण संभव है।

इस दौरान मंच का संचालन करते हुए सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय के उप निदेशक हेमन्त सिंह ने कहा कि युवा हमारे राष्ट्र के भावी कर्णधार है।

उदयपुर में मॉल के चौथे फ्लोर से कूदा स्टूडेंट, मौत

उदयपुर(निसं.) उदयपुर में मॉल के चौथे फ्लोर से 17 साल का स्टूडेंट कूद गया। मॉल के स्टाफ और लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्र स्कूल की ड्रेस में था और अकेला ही मॉल में घूमने आया था। मामला सुखेर थाना इलाके का भुवाणा स्थित सेलिब्रेशन मॉल का मंगलवार दोपहर 3 बजे का है। पुलिस ने शव को एमबी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। छात्र के परिजन को सूचना दी गई है। वह 11वीं क्लास में पढ़ता था। थानाधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया- छात्र कृष पामेचा (17) निवासी बेदला (उदयपुर) विद्या भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, देवाली में पढ़ता था। फुटेज के आधार पर छात्र के सुसाइड करने की पुष्टि हुई है। वह स्कूल से ड्रेस (यूनिफॉर्म) में अपने टू-व्हीलर से मॉल में पहुंचा था।

आवश्यक सुचना

मेरे मुवक्किल सांवरमल पुत्र डूंगरराम जाति माली निवासी वार्ड नं. 19 साहवा तहसील तारानगर जिला चुरू की हिदायतानुसार आम सर्वसाधारण सूचना दी जा रही है-

1. यह कि मेरे मुवक्किल की लड़की माया सैनी मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के कहने सुनने में नहीं है जो कि मेरे मुवक्किल व उसके परिवार वालों को बिना बताए घर से दिनांक 18.11.2024 को चली गई तथा अपनी मन मर्जी से गलत कार्य करती रहती है इसलिए मेरा मुवक्किल आज दिनांक 26.11.2024 को अपनी पुत्री माया सैनी को अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल करता है तथा आज से पूर्व व भविष्य में मेरे मुवक्किल की पुत्री माया सैनी किसी भी व्यक्ति के साथ कोई लेन देन व संव्यवहार किया है या करेगी तथा किसी के भी साथ व्यक्तिगत व्यवहार करती है तो मेरे मुवक्किल की किसी भी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। जिसकी जिम्मेदार माया सैनी होगी मेरा मुवक्किल का आज से अपनी पुत्री माया सैनी से कोई संबंध नहीं रहा है।

सूचित हो !
स्थान- तारानगर

भवदीय
पवन कुमार योगी एडवोकेट,
तारानगर जिला चूरू (राज.)

District Project Management Unit, Churu (Name of Procuring Entity)

Notice Inviting Bid

Bids for Stationary (Name (s) of subject matter (s) of Procurement) are invited from interested bidder's upto 12.00 PM (time) 29/11/2024 (date). Other Particular of the bid may be visited on the Procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) ofthestate; andhttps:// rgavp. rajasthan. gov.in/websitemaster/ Tenders Eol department website.

NIB:-RGA2425A0136	Rs.
UBN:-RGA2425GSOB00156	6,00,000.00

(Designation of Bid Inviting officer)

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
27 नवम्बर, 2024

संविधान दिवस पर किया विद्यार्थियों को जागरूक

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झुंझुनू की ओर से जे. के. मोदी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, झुंझुनूं में संविधान दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झुंझुनू प्रियंका पिलानियां की ओर से बताया गया कि संविधान दिवस 2024 के अवसर पर झुंझुनूं मे विद्यार्थियों व विद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों की ओर से संविधान की प्रस्तावना की शपथ ली गई। तालुका विधिक सेवा समितियों में भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि वर्तमान में मूल अधिकारों की जानकारी व विधिक जानकारी बढ़ाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जमीनी स्तर से जुड़ कर नवीन अभियानों के साथ आमजन को जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झुंझुनूं के कर्मचारी शिवदान चारण ने कानून की भाषा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार किसी भी समस्या का कानूनन हल निकाला जा सकता है। इसके साथ ही सचिव प्रियंका पिलानियां ने कार्यक्रम में विधिक सहायता, नालसा व रालसा की ओर से जारी स्कीमों, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, स्थाई लोक अदालत, पॉलिथीन कैरी बैग इस्तेमाल रोकथाम, सपोर्ट टू सवाईवर आदि की जानकारी प्रदान की।

ज़िला कलेक्टर ने दिलाई ने दिलाई संविधान की शपथ

जयपुर टाइम्स

नीमकाथाना(निसं.)। संविधान दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर शरद मेहरा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। इस दौरान संविधान उद्देशिका का वाचन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलेक्टर भागीरथ शाख सहित कलेक्ट्रेट कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

तोदी महाविद्यालय की छात्रा ने निशानेबाजी में जीता स्वर्ण पदक

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निसं.)। शेखावाटी यूनिवर्सिटी स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में लक्ष्मणगढ़ के भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा पूजा चौधरी ने स्वर्ण पदक जीतने में कामयाब रही है। तोदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत ने जानकारी देते हुए बताया कि शेखावाटी विश्वविद्यालय की ओर से पोदार कॉलेज नवलगढ़ में आयोजित अंतर महाविद्यालय निशानेबाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि पूजा चौधरी ने 10 मीटर राइफल प्रतियोगिता में 200 में से 193 अंक प्राप्त किए। इस मौके पर विजेता छात्रा को महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत ने बधाई दी। महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों ने भी खुशी का इजहार किया और विजेता छात्रा पूजा को बधाई दी। इस मौके पर महाविद्यालय प्रबंध सचिव आशकरण शर्मा और प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत ने शारीरिक शिक्षक लक्ष्मण सिंह और सुरेंद्र सिंह को उक्त सफलता के लिए बधाई दी।

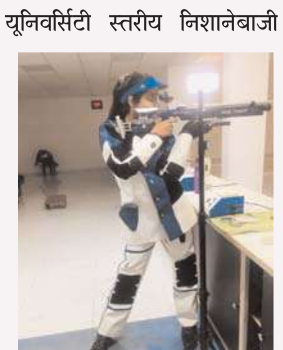

क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब कायमसर की टीम ने जीता

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। श्री बालाजी क्रिकेट क्लब बास कुहाडू की ओर से आयोजित तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने हिस्सा लिया। जिसका समापन समारोह सोमवार शाम को हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि पं.स. सदस्य प्रतिनिधि शिक्षाविद समाजसेवी हनुमान प्रसाद नेमीवाल रहें। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष संजू चाहर ने की। उल्लेखनीय है कि फ़ाइनल मैच बास कुहाडू व कायमसर के बीच खेला गया जिसमें कायमसर टीम विजेता रही। विजेता टीम को 5100रु.व ट्रॉफी और उपविजेता टीम को 2100 रु.व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बालाराम कटारिया, गिरधारी चाहर, पूरणमल सैनी, बनवारी रेवाड, जयराम सिगड, रूपाराम नायक, गोवर्धन चाहर, विद्याधर कटारिया, जयकरन सैनी, नेमीचंद मिठारवाल सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

हैरिटेज हवेलियां, भिति चित्र, कलात्मक प्रवेश द्वार आकर्षण का केंद्र

मंडावा की प्रसिद्धि सात समंदर पार, पर्यटक आ रहे लगातार

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। बड़ी बड़ी हवेलियां, उनकी दीवारों पर की गई खूबसूरत फ्रेस्को पेंटिंग, मन को लुभाते कलात्मक प्रवेश द्वार तथा दिल जैसे झरोखे व खिड़कियों ने अब मंडावा को सात समंदर पार भी विशेष पहचान दिलाई है। विश्व की प्रसिद्ध ट्रैवलर मैग्जीन ने अपने अध्ययन व सर्वे के बाद मंडावा को पूरे विश्व के खूबसूरत छोटे कस्बों में शामिल किया है। मैग्जीन ने पूरे विश्व के पचास कस्बों के नाम जारी किए हैं। इसमें पहले नंबर पर स्पेन का अलबरैशिन कस्बा है, जबकि राजस्थान के झुंझुनूं जिले का मंडावा तीसवें नंबर है। खास बात यह है कि पूरे भारत में केवल मंडावा को ही यह दर्जा मिला है। ट्रैवलर मैग्जीन ने अपनी रिपोर्ट जारी की है। उल्लेखनीय है शेखावाटी में हर साल हजारों विदेशी पर्यटक आते हैं, वे तीनों जिलों में घूमते हैं, लेकिन अधिकतर मंडावा में ही रुकते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण मंडावा फिल्म निर्माताओं को भी खूब भा रहा है। यहां पीके, बजरंगी भाई जान, जब वी मेट व पहेली सहित अनेक फिल्मों की शूटिंग हो चुकी।

यह बताई विशेषता

ट्रैवलर मैग्जीन ने मंडावा को विश्व में तीसवां स्थान देते हुए लिखा है कि मंडावा सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यह छोटा सा कस्बा कुछ अलग कहता है। इस छोटे से कस्बे में प्राचीन किले, हवेलियां व भित्ती चित्र पयर्टकों दूर से ही आकर्षित करते हैं।

जिले में आए विदेशी पर्यटक वर्ष विदेशी पर्यटक

2018 39802
2019 27254
2020 8647
2021 107
2022 4201
2023 5393(मार्च तक)
(पर्यटन विभाग के अनुसार)

टॉप कस्बे आबादी

1. अलबरैशिन, स्पेन 1016
2. बैनरॉक, थाईलैंड 1000
3. बैनॉस, एक्वाडॉर 14653
4. बार हर्बर, माइने 5535
5. बएेई, जापान 10374
6. ब्लैड, स्लोवेनिया 8171
7. बोकास डेल टेरो, पनामा 7366
8. कार्मेल, केलिफोर्निया 3196
9. कोलोनिया डेल, उरुग्वे 26231
10. कासल कोम्बे, इंग्लैण्ड 357
30. मंडावा, भारत 23335

(ट्रैवलर मैग्जीन की रिपोर्ट के अनुसार)

राष्ट्रीय जाट महासंघ ने जिला कलेक्टर रामावतार मीणा का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। जिला निर्वाचन अधिकारी व जिला कलेक्टर रामवतार मीणा के सानिध्य में राजस्थान उपचुनाव में झुंझुनूं जिले में शांतिपूर्वक चुनाव सम्पन्न करवाने पर राष्ट्रीय जाट महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. विरेन्द्र क्यामसरिया ने नेतृत्व में जाट महासंघ के पदाधिकारियों की ओर से सॉल, साफा व माला पहनाकर के स्वागत किया गया। जाट महासंघ के पदाधिकारियों की ओर से बताया गया कि राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में हुए विधानसभा उपचुनाव में काफी जगहों पर अशांति का माहौल बना, लेकिन झुंझुनूं जिला कलेक्टर रामवतार मीणा की योग्यता व कार्य कुशलता के कारण शांतिपूर्वक उपचुनाव सम्पन्न करवाकर के झुंझुनूं जिले का नाम राजस्थान में रोशन किया है। जिला कलेक्टर रामवतार मीणा की ओर से उपचुनाव के समय पंद्रह-पंद्रह घंटों तक लगातार कार्य करके झुंझुनूं जिले में शानदार काम करके आम जनता की भावनाओं के अनुरूप कार्य किया है, जिसकी जिले में हर जगह प्रशंसा की जा रही है। इस अवसर पर राष्ट्रीय जाट महासंघ के जिला उपाध्यक्ष विरेन्द्र कोठारी, चिड़ावा ब्लॉक अध्यक्ष राहुल लाम्बा, सुलताना ब्लॉक अध्यक्ष महेन्द्र धनखड़, बुहाना ब्लॉक अध्यक्ष शेरसिंह बिर्माण कुहाड़वास, खेतड़ी ब्लॉक अध्यक्ष मनोज श्योराण, गुढ़ा ब्लॉक अध्यक्ष मनोज रोजड़िया, पिलानी ब्लॉक अध्यक्ष विरेन्द्र पूनिया, प्रभारी रिटायर्ड प्रिंसिपल अत्तर सिंह काजला, उपाध्यक्ष विनोद कुलहरी, सचिव सत्येंद्र धतरवाल, महिला मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष मंजू देवी, प्रभारी सुनिता देवी, सचिव सुनिल देवी व उपाध्यक्ष कमला देवी सहित राष्ट्रीय जाट महासंघ के सभी पदाधिकारियों की ओर से जिला कलेक्टर का स्वागत सम्मान किया गया।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की प्रतिमा का अनावरण 5 दिसंबर को

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला सुखदेव सिंह गोगामेडी मंगलवार को झुंझुनू पहुंचने पर युवा नेता रविंद्र सिंह तोलियासर के नेतृत्व में श्री शार्दुल एजुकेशन प्रांगण में उनका स्वागत किया गया और साथ ही शार्दुल सिंह के मूर्ति के समक्ष पधारकर माल्यार्पण कर, छात्रावास प्रांगण में उपस्थित राजपूत समाज और सर्व समाज के लोगों को 5 दिसंबर को गोगामेड़ी पहुंचने का न्योता निमंत्रण दिया। इसके बाद प्रेस वार्ता को संबोधित किया और ज्यादा से ज्यादा गोगामेडी पहुंचकर सुखदेव सिंह गोगामेडी के मूर्ति अनावरण के प्रोग्राम को सफल बनाने का आह्वान किया और बताया कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के अधूरे छोड़े गए मुद्दों को पूरे भारत में पूरा करने के लिए करनी सेना लड़ाई लड़ती रहेगी। सैकड़ो लोगों की मौजूदगी में 5 दिसंबर गोगामेडी चलो कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। मीटिंग को करणी सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला सुखदेव सिंह गोगामेडी, युवा नेता रविंद्र सिंह तोलियासर, शेखावाटी प्रभारी रविंद्र सिंह पोंख, दशरथ सिंह कालीपहाड़ी ने संबोधित किया। इसके अलावा शक्ति सिंह गंगयासर, अमित सिंह सिसिया, प्रवीण सिंह बगड़ ,परविंदर सिंह कालीपहाड़ी, शक्ति सिंह कल्याणपुरा,अजीत सिंह लुमास, नरेंद्र सिंह बलौदा, वंशदीप सिंह काली पहाड़ी, कुलदीप सिंह बड़ागांव, अभिमन्यु सिंह नवा, राजकुमार सिंह गुड़ा, राकेश सिरधाना, प्रशांत भार्गव, शुभम तोगड़िया, प्रदीप राणा, संदीप घोटड़ और सैकड़ो की संख्या में छात्रावास के छात्र उपस्थित रहे।। युवा नेता रविंद्र सिंह तोलियासर ने बताया 5 दिसंबर को झुंझुनू से हजारों की संख्या में राजपूत समाज के लोग गोगामेडी पहुंचेंगे।

शिक्षाविद् मामराज ढ़ाका के निधन पर श्रद्धांजलि सभा

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। शिक्षाविद् मामराज सिंह ढ़ाका के निधन पर उनके पैतृक गांव ढ़ाका का बास में मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार, फतेहपुर के विधायक हाकम अली खां, भाजपा जिला उपाध्यक्ष इजी 0 प्यारेलाल ढूकिया, अलसीसर के पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, मोहन सीगड़, भाजपा जिला मंत्री महावीर ढ़ाका, सुरेन्द्र पूनिया, बाबूलाल सैनी, सरपंच प्रतिनिधि ताराचन्द घोटड़ प्रो.मदन सिंह, कांग्रेस नेता रजनीकांत सिंह सहित अनेक गण मान्य लोगों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर सभी लोगों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया। पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार ने कहा कि वे शिक्षा के लिए सदैव समर्पित रहे। वह एक कर्मठ, इमानदार व बेदाग छवि के शिक्षक थे। इनके निधन से शिक्षक समाज व संगठन को अपूरणीय क्षति हुई है। वे लंबे दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका निधन गत दिन फतेहपुर स्थित एक अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया था। मौके पर डा राजेश कुमार, जनसेवी राजीव ढ़ाका, नरेश कुमार, जय नारायण सिंह, रविंद्र सिंह, रमेश्वर सिंह मौजूद

तीन दिवसीय विज्ञान कला प्रदर्शनी तरंग का आयोजन

जयपुर टाइम्स

सूरतगढ(निसं.)। पी.जी.कॉलेज, सूरतगढ़ व सूरतगढ़ बी.एड. कॉलेज सूरतगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 3 दिवसीय विज्ञान कला प्रदर्शनी तरंग के दूसरे दिन का शुभारम्भ अशोक नागपाल (पूर्व विधायक सूरतगढ़) अनिल धानुका (लोकपाल सूरतगढ) सूरतगढ़ थर्मल डिप्टी चीफ इंजीनियर एम.आर.चाचाण, समाजसेवी अमित कड़वासरा, दीपक शर्मा (परामर्शदाता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगढ), योगेश, भूषण भटेजा सूरतगढ़ पब्लिक स्कूल निदेशक, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सूरतगढ़ पी.जी. कॉलेज करण थोरी व मोनिका कुमावत आदि अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया और प्रदर्शनी में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियो को नवाचार युक्त मॉडल बनाने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर सूरतगढ़ पी.जी. कॉलेज, प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रवीण अरोड़ा, सूरतगढ़ बी.एड. कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री राजकुमार गर्ग, सूरतगढ़ पी.जी. महाविधालय के सचिव वरूण जी गर्ग, सूरतगढ़ बी.एड.कॉलेज सचिव जयकिशन अरोड़ा, प्राचार्य सूरतगढ़ पी.जी. कॉलेज, सूरतगढ़ डॉ. नारायण चन्द छींपा, सूरतगढ़ बी.एड. कॉलेज प्राचार्य डॉ. विवेक शर्मा, एकीकृत पाठ्यक्रम विभागाध्यक्षा डॉ. ममता गर्ग व महाविधालय के समस्त व्याख्याता उपस्थित रहे। स्थानीय व आस-पास के क्षेत्र के विद्यालयों के (लगभग 6500) विधार्थियो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उपस्थित अतिथियों ने विधार्थियो की ओर से बनाए गए मॉडलो, चार्ट की प्रंशसा की और विभिन्न विज्ञान मॉडलो सहित चार्ट की खूब सराहना की। सूरतगढ़ पी.जी.कॉलेज व सूरतगढ़ बी.एड. कॉलेज के 850 विधार्थियो ने प्रंबध समिति व स्टॉफ के सहयोग से इस कार्यक्रम का व्यवस्थित आयोजन किया। प्रबंध समिति अध्यक्ष प्रवीण अरोड़ा ने मुख्य अतिथियों को सम्मान प्रतीक चिन्ह् देकर सम्मानित किया। मंच संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी टेकचन्द, भौतिक विज्ञान के व्याख्याता अमित रमन ने किया।

गोमती देवी महाविद्यालय में संविधान दिवस मनाया

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। गोमती देवी पीजी महाविद्यालय बड़ागांव में भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक, सेविकाएं, एनसीसी कैडेट्स और महाविद्यालय के विद्यार्थियों सहित स्टाफ सदस्यों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। संविधान की प्रस्तावना का वचन प्रतिज्ञा के रूप में अंग्रेजी प्रवक्ता सुभाष जांगिड़ की ओर से करवाया गया। बी एड प्राचार्य डॉ गजेंद्र सिंह शेखावत ने सभी छात्र-छात्राओं को आज के इस ऐतिहासिक दिन का महत्व बताया। निदेशक सी एल शर्मा ने कहा कि हम सब का दायित्व है कि संविधान की गरिमा को बनाए रखें और संविधान में जो आदर्श प्रस्तुत किए गए हैं उनको हमारे जीवन में आत्मसात करें, और सुदृढ़ भारत का निर्माण करें। उप प्राचार्य डॉक्टर पी एन शर्मा ने संविधान के नियमों का हमेशा पालन करने पर बल दिया। प्रवक्ता डॉ पी एन शर्मा, प्रवीण जांगिड़ और स्वयं सेवकों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सभी प्रवक्ता उपस्थित रहे।

संविधान दिवस का बताया महत्व

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय राजकीय जीएचएस कॉलेज में एनएसएस की दोनों इकाईयों व एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस मनाया गया। प्राचार्या विनीता चौधरी ने भारतीय संविधान की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को शपथ दिलवाई। प्रो. बी एस बैरवा ने संविधान दिवस के महत्व को रेखांकित किया। एनएसएस अधिकारी प्रदीप कुमार जोशी, पूजा शर्मा की ओर टी प्रश्नोतरी व निम्बंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टाफ की ओर से भी संविधान के पालन की शपथ ली गई।

कचरा संग्रहण केन्द्र जुटे दो कर्मचारी हादसे में घायल

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.)। घर-घर कचरा संग्रहण में जुटे दो कर्मचारी सड़क हादसे में मंगलवार को घायल हो गए। घायलों को कांग्रेस नेता रामवीरसिंह राईका व भाजपा नेता प्रदीपसिंह बीका ने निजी साधन से जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर एक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्?टी दे दी, तो वहीं दूसरे को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रैफर कर दिया। सूचना पर पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। घटना मेगा हाईवे पर आईटीआई तिराहे की है। जानकारी के अनुसार नगरपालिका घर-घर कचरा संग्रहण योजना में निविदा पर कार्यरत शहर के वार्ड संख्या 41 निवासी 27 वर्षीय रजनीश चालक और 20 वर्षीय राहुल हेल्पर का कार्य करता है। कचरा संग्रहण के बाद मंगलवार को डंपिंग यार्ड में कचरा खाली कर शहर की ओर लौट रहे थे कि इसी दौरान सरदारशहर की ओर जाने वाले एक ट्रेलर में लोहे के बड़े पाईप भरे हुए थे, जिन्हें रस्सी से हुक की मदद से बांधा हुआ था। मेगा हाईवे पर आईटीआई तिराहे पर जैसे ही टीपर ने ट्रेलर को क्रोस किया, तो रस्सी का हुक टूट गया और पाईप टीपर पर गिर गया, जिससे रजनीश व राहुल घायल हो गए। घटना में रजनीश के गंभीर चोट आने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर किया गया है।

वाल्मीकि समाज के आवेदनकर्ताओं के अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं करने से आक्रोश

नगरपरिषद आयुक्त पर हठधर्मिता का आरोप, भूख हड़ताल पर बैठेंगे पार्षद अशोक पंवार

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। मेहतर समाज एकता मंच के संयोजक राकेश पंवार ने बताया कि राजस्थान सरकार की सफाई कर्मचारी की भर्ती 2024 में सफाई अनुभव प्रमाण पत्र की अनिवार्यता दी गई है और सफाई भर्ती की अंतिम 27 नवंबर है लेकिन नगर परिषद आयुक्त की हठधर्मिता के कारण सैकड़ो वाल्मीकि समाज के आवेदनकर्ता के अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं हुए हैं। इस वजह से सफाई भर्ती 2024 में सम्मिलित नहीं हो पाएंगे गैर वाल्मीकि समाज के आवेदनकर्ता के अनुभव प्रमाण पत्र जारी हो रहे हैं लेकिन सफाई कामगार वाल्मीकि समाज की आवेदनकर्ता के अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं हो रहे हैं। कोई ना कोई कमियां निकालकर जानबूझकर सफाई कामगार वाल्मीकि समाज के आवेदन कर्ताओं के अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहे हैं। 26 नवंबर तक वाल्मीकि समाज के आवेदनकर्ता के अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होते हैं और वर्ष 2017 से पूर्व के सफाई मजदूर के अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहे हैं और ठेकेदारों की ओर से अनुभव प्रमाण पत्र के प्रारूप पर प्रमाणीकरण नहीं किया जा रहा है। इन सभी मांगों को लेकर अशोक पंवार के नेतृत्व वाल्मीकि समाज का प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर चूरू को ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि अगर समय रहते वाजिब मांगों को नहीं माना जाता है तो 27 नवंबर 2024 से निवर्तमान मनोनीत पार्षद अशोक पंवार की ओर से नगर परिषद कार्यालय के आगे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर जाएंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी और अन्य आंदोलन भी किए जा सकते हैं। चूरू वाल्मीकि समाज में आयुक्त नगर परिषद के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है। इस दौरान अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ जिलाअध्यक्ष संदीप कुमार चांवरिया, चअखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस युवा प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव प्रीत चांवरिया चूरू, श्याम लाल हटवाल, अशोक चावरिया, सुशील पंवार, विनोद पंवार, पुरुषोत्तम चन्देलिया, विजय चावरिया चन्द्रशेखर, अभिषेक पंवार, किशन हटवाल, विकास चावरिया, श्यामलाल चावरिया, मुकेश चावरिया, भरत चांवरिया, महेश चावरिया सुनीता देवी, कुसुम, सोनिया, रेखा देवी, सोनू चावरिया सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर मतदान की दिलाई शपथ

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निसं.)। पीएमश्री यूनियन क्लब राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजलदेसर में संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रार्थना सभा में संविधान की प्रस्तावना व मतदान करने की शपथ दिलवाई गई। प्रार्थना सभा में संस्था प्रधान मोहन लाल अर्जुन ने संविधान सभा के गठन से लेकर संविधान को लागू करने तक सभी घटनाओं का अपने सम्बोधन में उल्लेख किया। राजनीति विज्ञान की व्याख्याता रश्मि महर्षि ने "राष्ट्र की एकता व अखंडता में डॉक्टर अम्बेडकर का योगदान" व भारतीय संविधान की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। लोकतंत्र में संविधान की भूमिका पर विस्तृत विचार रखे। मध्याह्न पश्चात् छात्राओं ने वर्तमान परिदृश्य में अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया।इस प्रतियोगिता में कुल 25 छात्राओं ने भाग लिया। साथ ही विद्यालय की छात्राओं की ओर से संविधान सम्बन्धित विभिन्न प्रतीकों, संसद, संवैधानिक संगठनों के प्रतिरूप तैयार किए।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। विभिन्न श्रेणियों में लाभ प्राप्त करने वाले सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों का भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। 31 दिसंबर तक वर्ष 2025 का वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाया जाना आवश्यक है। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के उप निदेशक नगेंद्र सिंह ने बताया कि योजनान्तर्गत जिले के कुल 277007 पेंशनरों का वर्ष 2025 का वार्षिक भौतिक सत्यापन किया जाना है। इनमें से 100245 पेंशनरों की ओर से वर्ष 2025 का वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाया जा चुका है। जिले के 176762 पेंशनर्स की ओर से वर्ष 2025 का वार्षिक भौतिक सत्यापन नहीं करवाया गया है। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के उप निदेशक नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त करने वाले पेंशनरों की ओर से वर्ष 2025 का वार्षिक भौतिक सत्यापन नहीं करवाया जाता है तो माह जनवरी 2025 से ऐसे पेंशनरों की पेंशन राशि का भुगतान नहीं हो पाएगा। भौतिक सत्यापन से वंचित पेंशनर वर्तमान में ई-मित्र कियोस्क, राजीव गांधी सेवा केन्द्र व ई-मित्र प्लस इत्यादि केन्द्रों पर अंगुली की छाप से बायोमैट्रिक करवा कर सत्यापन करवा सकते हैं। बायोमैट्रिक/अंगुली की छाप से यदि पेंशनर का भौतिक सत्यापन नहीं होता है तो वे स्वयं घर बैठे ही वार्षिक भौतिक सत्यापन के लिए विकसित दोनों मोबाईल एन्ड्रॉइड एप्प (राजस्थान सोशल पेंशन तथा आधार फेसआरडी) डाउनलोड कर फेस रिकॉग्निशन के आधार पर किया जा सकता है। यह सुविधा पूर्णतया निःशुल्क है व एक मोबाईल से अनेक पेंशनरों का वार्षिक भौतिक सत्यापन संभव है।

संक्षिप्त-समाचार

संविधान दिवस पर प्रतिभाओं का सम्मान

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.)। गुरुकुल आदर्श विद्या मंदिर रतनगढ़ में 26 नंवबर को अधिवक्ता राजेन्द्र मारोठियां के मुख्य आतिथ्य में संविधान दिवस कार्यक्रम मनाया गया। जिसके विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता पंकज मंडार रहे। उपयुक्त कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया जिनमें विद्यालय के सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया। कंचन, संध्या नवल, प्रणव पारीक प्रथम स्थान पर रहे। सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही अन्य प्रतियोगिताओं में प्रथम रहे प्रतिभागियों सहित 35 बच्चों को सम्मानित किया गया। संविधान दिवस पर बोलते हुए मुख्य अतिथि ने बताया की संविधान निर्माता के रूप में बाबा साहेब का अमूल्य योगदान रहा है। विशिष्ट अतिथि ने संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला। संस्था प्रधान नेमीचंद सांखला ने बताया कि संविधान भारत का एक बहुमूल्य दस्तावेज है जिससे कि आज पूरा देश प्राण रूप में कार्य कर रहा है। संविधान के रूप में भारत देश के मनस्वीयों ने हमें एक अनमोल खज़ाना दिया है जो देश की आज़ादी के 70 साल बाद भी एक दिव्य शक्ति के रूप में देश को अमन, भाईचारे और एकता के सूत्र में बांधे रखने में सफल सिद्ध रहा है। इस अवसर पर कंचन स्वामी, नीतु शर्मा, पायल शर्मा, सरिता, कविता, आकांक्षा आदि उपस्थित रहें। संचालन आकाश ने किया।

संविधान की महत्ता और उपयोगिता पर डाला प्रकाश

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.)। तहसील के लोहा के निकटवर्ती गांव लोहा के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) जिला चूरू के जिलाध्यक्ष शिवाराम मेघवाल की अध्यक्षता में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अयूब खान ने संविधान की महत्ता और उपयोगिता पर विचार रखे। जिलाध्यक्ष मेघवाल ने संविधान से संबंधित रोचक जानकारियां बच्चों के साथ शेयर की और बाबा साहेब डॉ आंबेडकर के जीवन के संघर्ष का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने बताया कि भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। इस दौरान स्लोगन, पोस्टर, सुलेख, भाषण और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम और द्वितीय स्थान पर आने वालों को पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि संविधान दिवस के 75 वर्ष पूर्ण होने पर, सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के 150 वर्ष पूर्ण होने पर और अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी पर लंबी श्रृंखला में कार्यक्रम आयोजित होने है जिसमें सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान व्याख्याता नरेंद्र मेघवाल, आनंद मीणा, राजकुमार, शीशराम, रामचंद्र डूडी, भैराराम प्रजापत, बाबूलाल, पाबूसिंह, विष्णु लाटा, मोहित मंगलहारा, ऋतुरानी, राधा, रचना मीणा, दीपिका, गायत्री और मोहित मौर्य उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन पवन कुमार स्वामी ने किया।

रतनगढ में संविधान की दिलाई शपथ

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.)। राजकीय महाविद्यालय, रतनगढ़ में महिला प्रकोष्ठ व राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ अनिल सक्सेना ने की। इस अवसर पर सर्वप्रथम संविधान की प्रस्तावना का पठन किया गया और संविधान की शपथ दिलाई गई। प्रो सुनील पुनिया ने संविधान के बारे में विस्तार से बताया। प्रो के एस चारण, डॉ के सी जोशी, परमेश्वर महर्षि, शैलेश जीनरा, आशा वर्मा, एस एस पारीक मनीषा, मरियम बानो, हिमांशु जोशी, संदीप जोशी, लालसिंह आदि स्टाफ मौजूद रहा। बाद में निबंध प्रतियोगिता व प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो सौम्या वशिष्ठ ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बीएसएनएल सेवा ठप्प, आमजन परेशान

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निसं.)। कस्बे में बीएसएनएल की इंटरनेट और मोबाइल सेवा ठप्प हो गई। जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हुई। उपभोक्ता बार बार अपने मोबाइल में टावर देखते रहे। करीब बारह बजे बाद अचानक बीएसएनएल सर्विस बन्द हो जाने से पुलिस थाने जैसे अत्यावश्यक नम्बर सरकारी नम्बर बन्द होने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार मध्य रात्रि तक पुनः सेवा दुरूस्त होने की सम्भावना है।

मरकजी मदरसा मदीना तुल उलूम का दीक्षांत समारोह 30 को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। कस्बे में स्थित मरकाजी मदरसा मदीना तुल उलूम की ओर से वार्षिक दीक्षांत समारोह फजिलत-ए-इल्म कांन्फ्रेंस कायदे मिल्लत रहबरे शरीअत हजरत अल्लामा व मौलाना शाही शहर इमाम चूरू पीर सय्यद मोहम्मद अनवार नदीमुल कादरी की जेरे सरपरस्ती व सदारत में और शहजादा ए- मोहसिन -ए-मिल्लत हजरत सय्यद अबरार हुसैन कादरी की जेरे सियादत में बाद नमाज-ए-ईशा मोहल्ला तेलियान स्थित तेलियान बाडी में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश के जाने-माने वक्ता व स्कॉलर मुफक्किर-ए-इस्लाम हजरत अल्लामा व मौलाना सैफुल्लाह अलीमी कलकत्ता से मुकर्रिर-ए-खुसूसी मौलाना शिरकत करेंगे।

जिला कलक्टर को दिया ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। चूरू जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपकर पार्षद एडवोकेट सलीम खान ने नूर नगर में पेयजल की व्यवस्था किए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि नूर नगर में पेयजल की समस्या से स्थानीय स्तर के अधिकारियों को कई बार अवगत करवाए जाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। इसलिए गंभीरता से लेकर इस समस्या का समाधान करवाया जाए। जिस पर जिला कलक्टर ने समुचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

गर्वा का मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट में चयन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। चूरू के निकटवर्ती गाजसर गांव में अनुसूचित जाति समाज की बेटी कल्पना गर्वा का सरकारी सेवा में चयन हुआ। शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर बसे गाजसर गांव में अनुसूचित जाति समाज की बेटी का सरकारी सेवा में चयन नहीं हुआ था। 15 नवंबर को चिकित्सा विभाग में मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट में कल्पना का एएनएम पद पर पाली के घाणेराव सीएचसी हॉस्पिटल में हुआ है। कल्पना गांव की अनुसूचित जाति समाज की पहली बेटी है। जिसका सरकारी सेवा में चयन हुआ है। कल्पना गर्वा ने गांव की बेटियों के लिए एक मिसाल कायम की।

होटल के स्टाफ क्वार्टर में लगी आग

बीकानेर(निसं.)। बीकानेर के रथखाना क्षेत्र में स्थित एक होटल के स्टाफ क्वार्टर एरिया में आग लग गई। आग की चपेट में कोई नहीं आया लेकिन काफी सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद तीन दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। फिलहाल आग शांत हो चुकी है और बचे हुए सामान को बाहर निकालने का काम चल रहा है। सदर थाना क्षेत्र के रथखाना क्षेत्र में स्थित होटल राजविलास के स्टाफ क्वार्टर में मंगलवार सुबह आग लग गई थी। आग लगने से होटल व होटल के बाहर हड़कंप मच गया। समय रहते दमकल कर्मियों और पुलिस की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

नूवां में संविधान दिवस का आयोजन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.)। नूवां के गवर्नमेंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल, नूवां में संविधान दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ अम्बेडकर चित्र के सामने पुष्पांजलि कर संविधान की उद्देशिका के सामूहिक वाचन से हुई, जिसमें सभी ने मिलकर संविधान के मूल आदर्शों को याद किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान रमेश कुमार बुडानिया ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भामाशाह गुजरात प्रवासी मदनलाल प्रजापत रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि भंवर सिंह बिडावत, विकास कुमार और रमेश्वरलाल रहे। कार्यक्रम के दौरान विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भाषण प्रतियोगिता में खुशी कंवर कविता प्रतियोगिता में अभिनव और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निकिता, युवराज, खुशील, कामेश, अंकित, तेजकरण आदि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। आल ओवर प्रथम स्थान पूनम प्रजापत ने प्राप्त किया जिसको बाबा साहेब की पुस्तक भेंट की। मीना को पुस्तकालय में लिए बाबा साहेब बुक मिशन एंड लाइफ पुस्तक अशोक आलड़िया ने प्रदान की। कार्यक्रम में मंच संचालन अशोक आलड़यि ने शानदार रूप से किया। जबकि निलेश इंदोरिया ने डॉ. भीमराव अंबेडकर और डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जीवन और योगदान पर प्रेरणादायक भाषण दिया। भामाशाह गुजरात प्रवासी मदनलाल प्रजापत ने संविधान की उद्देशिका व बाबा साहेब के बारे में बताया। अंत में सभी प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों को मिठाई बांटी गई। वक्ता के रूप में रामेश्वर लाल गोदारा ने बाबा साहेब के जीवन संघर्ष पर बाल देते हुए शानदार वार्ता की। कार्यक्रम सुबह 10 से 1 बजे तक बहुत ही रोचक चका आलड़िया ने संविधान की उद्देशिका के एक एक शब्द का विस्तृत व्याख्या की, हर एक वक्ता के साथ संविधान से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की इस अवसर पर किशोर निठारवाल, बलबीर थोरी, मीना बरूपाल, रामगोपाल कुम्हार, दिनेश चोटिया, कविता, सुनील सैनी सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन उत्साह और संविधान के प्रति सम्मान के साथ हुआ। संविधान दिवस का यह आयोजन छात्रों और सभी उपस्थित लोगों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन गया।

दर्जनों संगठनों के लोगों ने लाडली के लिए बिछाए पलक पांवड़े

दिल्ली पीजीडीएवी कॉलेज छात्र संघ अध्यक्ष महिमा के चूरू पहुंचने पर भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। दिल्ली विश्वविद्यालय अन्तर्गत दिल्ली के पीजीडीएवी कॉलेज के छात्र संघ के हुए चुनाव अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए महिमा शर्मा मंगलवार को अपने गृहनगर चूरू पहुंचने पर युवा शक्ति सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। चूरू रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते ही छात्र शक्ति की ओर से महिमा के स्वागत की शुरू हुई श्रृंखला उनके निवास तक जारी रही। रेलवे स्टेशन से डीजे के आगे नाचते गाते युवाओं ने कार्यक्रम में नया जोश भर दिया। लोहिया कॉलेज में छात्र शक्ति, शास्त्री मार्केट में श्रीप्रकाश, चन्द्रप्रकाश, रामप्रसाद नागवान, अमजद तुगलक, पवन बजाज, श्रवण आसेरी, सूर्यकान्त चौधरी, बनवारी चोटिया और शंकर सैनी आदि व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों के समक्ष चूरू की बेटी का स्वागत किया। युवा शक्ति के लवाजमे के साथ अपने घर पहुंची अध्यक्ष बिटिया का यहां बड़ी संख्या में उपस्थित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सम्मान किया। छः न्याति ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष महेश बावलियां, बालकृष्ण बावलियां, राजस्थान गौड़ ब्राह्मण महासभा के सुधाकर सहल, पुनीत लाटा, नवीन शर्मा, विप्र फाउंडेशन के विश्वनाथ शर्मा राजगुरु, शंभूदयाल शर्मा, श्रीराम पीपलवा, भाजपा नेता फतेहचंद सोती, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, ओमप्रकाश सारस्वत, डॉ.महेश शर्मा, पदमसिंह राठौड़, महेन्द्र चोबे, अभिषेक चोटिया, दौलत तंवर, सुरेश सारस्वत, विमला गड़वाल, विमल जोशी, चुन्नीलाल सैनी, केसरदेव राठी, एडवोकेट पवन शर्मा, अशोक तंवर सहित अनेक प्रतिनिधियों ने महिमा का सम्मान किया। इसी क्रम में महिमा के साथ आए दिल्ली पीजीडीएवी कॉलेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कुणाल चौधरी, छात्र प्रतिनिधि दिपांशु विशोया, तरंग जैन, संकेत का भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पं.बनवारीलाल शर्मा, भास्कर शर्मा, सीपी शर्मा, पंकज शर्मा, प्रशांत और चिराग शर्मा नरेन्द्र लाटा सतीश शर्मा, हुकमीचन्द गौड़, शंकरलाल लाटा, सुर्यप्रकाश त्रिवेदी, विनोद दर्जी, विनोद दनेवा, केशरदेव राठी, महेश बावलिया, डूगरमल जोशी, बसंत, कैलाश नोवाल, गुरूदास भारती, सुधाकर सहल, विनोद ओझा, बालकृष्ण बावलिया, अभिषेक चोटिया, महेश बावलिया, संदेश इन्दोरिया, जयकुमार शर्मा, दिनेश बावलिया, विजय बावलिया, नरोतम सोनी, मातादीन वर्मा, राजेन्द्र गोस्वामी, विमल भटनागर, एड.पवन शर्मा, हनुमान स्वामी, सुशील इन्दोरिया, सुरेन्द्र बावलिया, नरेन्द्र शर्मा पत्रकार, ओम राकांवत, राजेन्द्र सारस्वत, गोविन्द शर्मा, प्रेमरतन शर्मा, मनेज तंवर, जितेन्द्र धरड़, चंपालाल, राकेश शर्मा, सुरेश मिश्रा, महेश मिश्रा, गोपाल शर्मा, मुकेश ओझा, अशोक शर्मा, डॉ एफ एस गोरी, संदीप सारड़ा, अजय तंवर, मोहन गड़वाल, रमेश वशिष्ठ, वेदप्रकाश राजोतिया, दिलीप जांगिड़, मुरारी लाल शर्मा, विनोद प्रजापत, डॉ कमल वशिष्ठ कुनाल चौधरी, तरंग जैन, दिपांशू, संकेत यादव, रामस्वरूप कटारिया, शंशाक शर्मा, हरिश वर्मा, मदन पंवार आदि ने दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि अभी दिल्ली विश्वविद्यालय अन्तर्गत दिल्ली पीजीडीएवी कॉलेज छात्र संघ चुनाव में चूरू की महिमा शर्मा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुई। पीजीडीएवी कॉलेज में बीए तृतीय वर्ष में अध्ययनरत महिमा नेशनल बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक विजेता और बेटी बचाओ अभियान की ब्रांड एम्बेसडर भी रही है।

राजस्थान जयपुर टाइम्स

जयपुर,बुधवार
27 नवम्बर, 2024

संक्षिप्त-समाचार

फायरिंग के मामले में हार्डकोर अपराधी को 7 साल की सजा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। सालासर कस्बे में करीब 9 साल पहले हुए फायरिंग के प्रकरण में हार्डकोर आरोपी बहादुरसिंह उर्फ पहलवान को न्यायालय ने दोषसिद्ध करार देते हुए 7 साल के कारावास और 10 हजार रूपये के जुर्माने से दंडित किया है। प्रकरण के बारे में जानकारी देते हुए अभियोजन अधिकारी महेश नेहरा ने बताया कि 14 अक्टूबर 2015 को रात में कमल किशोर पुजारी के घर पर कार में सवार होकर तीन लोग आए थे और उसके घर पर फायरिंग की। अगले दिन हार्डकोर आरोपी बहादुरसिंह उर्फ पहलवान सहित तीन के खिलाफ सालासर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया था। इस प्रकरण में एक आरोपी भवानीसिंह की मौत हो चुकी है। जबकि एक आरोपी लक्ष्मणसिंह बरी हो चुका था। खास बात ये रही कि फायरिंग की घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं था, फिर भी एसीजेएम न्यायाधीश विकास गजराज ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी बहादुरसिंह को दोषसिद्ध करार देते हुए 7 साल के कारावास की सजा से दंडित किया। अभियोजक अधिकारी महेश नेहरा ने बताया कि ऐसे मामले काफी कम संख्या में सामने आते हैं, जब परिस्थितिजन्य साक्ष्य आरोपी को सजा के बिन्दु तक ले जायें। प्रकरण में कुल 23 गवाहों को परीक्षित करवाया गया। जबकि 26 दस्तावेज प्रदर्शित करवाए गए और 2 आर्टिकल जिनमें देशी कट्टा और कारतूस शामिल हैं, प्रदर्शित करवाए गए। अभियोजन अधिकारी ने बताया कि चश्मदीद नहीं होने के चलते प्रकरण में 6 नए गवाह अभियोजन की ओर से जुड़वाए गए और न्यायालय में यह साबित किया गया कि कुचामन क्षेत्र से लूटी हुई कार को लेकर हार्डकोर बहादुरसिंह घटनास्थल तक आया था।

न्यायालय परिसर बना छावनी

हार्डकोर अपराधी बहादुरसिंह उर्फ पहलवान को दौसा की सालावास जेल से सुजानगढ़ पेशी पर लाया गया। इस दौरान एएसपी दिनेश कुमार, डीएसपी दरजाराम बोस, थानाधिकारी धर्मेन्द्र मीणा, सीआई सुखराम चोटिया के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। कड़ी सुरक्षा के बीच बख्तरबंद गाड़ी में बहादुरसिंह को पेशी पर लाया गया।

एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने पेयजल व्यवस्थाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार मंगलवार को चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के चूरू कार्यालय में संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ पेयजल संबंधी कार्यो की बैठक में आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि आगामी आने वाली ग्रीष्मऋतु के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न वार्डो व गांवो में पेयजल समस्याग्रस्त क्षेत्रों का सर्वे करवाएं। सर्वे करवाकर चिन्हीकरण करते हुए नलकूप निर्माण, पाईप लाईन बदलने का कार्य, मोटर पम्पसेट बदलने के प्रस्ताव आदि स्वीकृति के लिए भिजवाएं। उन्होंने कहा कि आगामी नहरबन्दी के दौरान कर्मसाना आरडब्ल्यूआर से पानी का स्टोरेज करके भी पेयजल सप्लाई सुचारू की जाएगी व समस्याग्रस्त गांव के अंतिम छोर तक पेयजल टेंकर के माध्यम से वितरण कर समस्या का समाधान किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए अपेक्षित पूर्व तैयारी सुनिश्चित करें। एसडीएम ने ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल संबंधित मुद्दों, शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या व पेयजल से सम्बन्धित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान अधिशाषी अभियंता प्रेम कुमार, निजी सहायक सुरेश कुमार, सहायक अभियंता जिगनेश कुमार, सहायक अभियंता सोनू कुमारी, कनिष्ठ अभियंता खुशबू बारहठ, कनिष्ठ अभियंता महेश चन्द्र कुमावत, कनिष्ठ अभियंता संजय, कनिष्ठ अभियंता पवन कुमार पारीक आदि उपस्थित रहे।

1440 करोड़ के निवेश का होगा एमओयू, 71 इकाइयों से ली सहमति

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान इन्वेस्ट समिट का आयोजन 29 नवंबर को किया जाएगा। यह इन्वेस्ट समिट जिला प्रशासन, जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र और रीको इकाई कार्यालय कि ओर से चावो वीरो ट्रस्ट बगड़ में आयोजित की जाएगी। इन्वेस्ट समिट 71 इकाइयों से एमओयू के लिए सहमति ली जा चुकी है। जिससे जिले में 1440 करोड़ का एमओयू किया जाएगा। जिला उद्योग अधिकारी अभिषेक चोपदार ने बताया कि विनिर्माण व सेवा क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने वाले उद्यमियों के साथ एमओयू की कार्रवाई की जाएगी। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बताया कि अभी तक जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र कि ओर से 71 इकाइयों से एमओयू के लिए सहमति ली जा चुकी है। जिससे जिले में 1440 करोड़ का निवेश तथा प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 8000 व्यक्तियों को रोजगार सृजित होगा। राज्य स्तर पर विभिन्न विभाग व ब्यूरो ऑफ इनवेस्ट प्रोमोशन से 51 एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं। इससे जिले में 38 हजार करोड़ का निवेश और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 1 लाख लोगों को रोजगार सृजित होगा। इस प्रकार से जिले में लगभग 39 हजार 400 करोड़ रुपए का निवेश व 1 लाख 10 हजार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सुलभ होंगे। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक अभिषेक चोबदार ने बताया कि एमओयू किए जाने वाली मुख्य मुख्य इकाइयों में एसीसी लिमिटेड व एसीसी सीमेंट प्रा.लि. की ओर से 3,500 व 300 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

- मुख्यमंत्री भजनलाल के निर्देश पर हो रहा कारगर प्रयास

तारानगर में बनेगा 640 एमएल क्षमता का बड़ा जलाशय और 13.99 एमएलडी का फिल्टर प्लांट

राज्य सरकार की ओर से 133.89 करोड़ के कार्यादेश जारी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में हर घर तक पर्याप्त मात्रा में बेहतर गुणवत्ता का पेयजल पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत समूचे राज्य में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। इसी सिलसिले में चूरू जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से सतत प्रयास जा रहे हैं। जिला जल व स्वच्छता समिति के अध्यक्ष जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की मॉनीटरिंग ने जल जीवन मिशन के कार्यों को बेहतर गति प्रदान की है। हाल ही में राज्य सरकार की ओर से जल जीवन मिशन योजना में चूरू जिले के अनेक गांवों की पेयजल प्रणाली में सुधार के लिए 133.89 करोड़ रुपए के कार्यादेश जारी किए गए हैं, जिससे चूरू जिले की तारानगर, चूरू, सरदारशहर के साथ-साथ नोहर विधानसभा क्षेत्र के गांवों को भी इसका लाभ मिलेगा। राज्य सरकार की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत तारानगर-पांडुसर फीडर अंतर्गत 133.89 करोड़ रुपए का कार्यादेश जारी किया गया है। इससे जिले के 74 गांवों तथा 63 ढाणियों की पेयजल व्यवस्था में सुधार होगा। इसमें तारानगर विधानसभा के 52 गांव व 46 ढाणियों, चूरू विधानसभा के 13 गांव और 3 ढाणियों, सरदारशहर विधानसभा के 9 गांव व 4 ढाणियों के साथ-साथ नोहर विधानसभा के 19 गांव व 1 ढाणी भी लाभान्वित होंगे। इन गांवों और ढाणियों में चल रही वर्तमान पेयजल प्रणाली में सुधार के लिए 133.89 करोड़ रुपए का कार्यादेश 21 नवंबर को जारी किया गया है। योजना के तहत तारानगर के पास कुंभाराम लिफ्ट कैनाल से आ रहे पानी के संग्रहण के लिए बड़ी डिग्गी बनाई जाएगी, जिसकी क्षमता 640 एमएल होगी। इसके समीप ही 13.99 एमएलडी क्षमता का एक नया फिल्टर प्लांट भी बनाया जाएगा। इस फिल्टर प्लांट से तारानगर शहर एवं आसपास के गांवों एवं ढाणियों में जलापूर्ति की जाएगी। इस योजना के तहत सात्यूं में एक बडा जलाशय और पंप हाऊस बनाकर इसके आसपास के गांव और ढाणियों की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। परियोजना के तहत 13 नए उच्च जलाशय बनाए जाएंगे। इसी योजना के तहत पांडुसर के पुराने फिल्टर प्लांट के नवीनीकरण का कार्य किया जाएगा तथा एक बड़ा स्वच्छ जलाशय बनाया जाएगा। पांडुसर हैडवर्क्स से जुड़े सभी गांव इस योजना से लाभान्वित होंगे। योजना को आगामी 18 माह में पूरा करवाया जाकर 18 हजार 32 घरों को हर घर जल योजना से लाभान्वित किया जाएगा। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने यह कार्य तत्काल शुरू कर निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने तथा कार्य में गुणवत्ता व समयबद्धता का समुचित ध्यान रखने के निर्देश प्रदान किए हैं।

राष्ट्रीय जाट महासभा का राष्ट्रीय सम्मेलन 22 दिसम्बर को

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.) राष्ट्रीय जाट महासभा का राष्ट्रीय सम्मेलन गोपालपुरा रोड़ पर स्थित कृष्णा एकेडमी में आगामी 22 दिसम्बर को आयोजित होगा। महासभा के प्रदेश संयोजक धर्मेन्द्र कीलका ने भोजलाई चौराहे पर स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. लोकपालसिंह सहित देशभर से अनेक हस्तियां शिरकत करेंगी। कीलका ने बताया कि कार्यक्रम में महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी व जिलाध्यक्षों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित होगा। इसी प्रकार जाट समाज की प्रतिभाओं और वर्ष 2021 के बाद सुजानगढ़ व रतनगढ़ क्षेत्र से राजकीय सेवाओं में चयनित हुए अधिकारियों का भी सम्मान किया जाएगा। कीलका ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज हितों पर चर्चा करना व शिक्षा पर जोर देने के साथ ही युवाओं को नशे से दूर रखने पर विचार करना है। कीलका ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

बीकानेर शहर में दो पिंक बस : अब शहर के बाजारों में महिलाओं को इस बस में मिलेगी सभी सुविधाएं

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निसं.)। बीकानेर में महिलाओं को अब बाजार में घूमते हुए टॉयलेट ढूंढने की जरूरत नहीं है क्योंकि दो पिंक बस में ये सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। मंगलवार को बीकानेर नगर निगम की ओर से दो पिंक बस राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने समर्पित की। संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह के लिए रहाटकर बीकानेर में है। रहाटकर ने मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर नगर निगम परिसर में आयोजित समारोह के दौरान दो 'सखी महिला स्वच्छता गृह' (पिंक बस) महिलाओं को समर्पित की। इस बस को शहर के विभिन्न भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में खड़ा किया जाएगा। सुबह से शाम तक खड़ी रहने वाली इस पिंक बस में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा। बीकानेर में होने वाले बड़े आयोजनों में भी ये बस नजर आएगी, ताकि कोई महिला परेशान नहीं हो।

अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना बनी वरदान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। राज्य सरकार की ओर से राजस्थान के अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के उद्यमियों, युवक-युवतियों को आसान शर्तो व कम लागत पर ऋण प्रदान करने के लिए डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना का संचालन किया जा रहा है। जिला उद्योग महाप्रबंधक नानुराम गहनोलिया ने बताया कि जिला स्तर पर योजना का क्रियान्वयन जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र, चूरू की ओर से किया जा रहा है। योजनान्तर्गत परियोजना लागत की 25 प्रतिशत मार्जिन मनी या 25 लाख (जो कम हो) तथा 25 लाख रू. तक के ऋण पर 9 प्रतिशत, 25 लाख से 5 करोड़ रुपए ऋण श्रेणी में 7 प्रतिशत व 5 करोड़ से 10 करोड़ रुपए श्रेणी में 6 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। विनिर्माण के लिए अधिकतम 10 करोड़ रुपए, सेवा के लिए अधिकतम 5 करोड़ रुपए व व्यापार के लिए अधिकतम 1 करोड़ ऋण का प्रावधान है। जिले के अनुसूचित जाति, जनजाति के बेरोजगार युवक-युवतियों से योजनान्तर्गत आवेदन पत्र आंमत्रित किए जाते हैं। योजना की विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र से प्राप्त की जा सकती है।

जिंदा युवक का पोस्टमार्टम मामले की जांच के लिए जयपुर से पहुंची टीम

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निसं.)। राजकीय भगवान दास खेतान (बीडीके) अस्पताल में जिंदा व्यक्ति को मृत बताकर पोस्टमार्टम करने के मामले में मंगलवार को उच्च स्तरीय टीम राजकीय बीडीके अस्पताल आई। टीम करीब 5 से 6 घंटे अस्पताल रही। जांच पड़ताल कर पूछताछ की। घटना के दौरान ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर व कर्मचारियों से पूछताछ भी की, उनके बयान भी लिए। टीम ने मोर्च्यूरी का निरीक्षण किया। बता दे कि मां सेवा संस्थान के बगड़ स्थित आश्रय गृह में रहने वाले मंदबुद्धि युवक रोहिताश (25) की 21 नवबंर की दोपहर को तबीयत बिगड़ गई थी। उसे बीडीके अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पोस्टमार्टम के लिए बॉडी का मॉर्च्युरी में रखवाया दिया था। इसके बाद पुलिस को बुलाकर पंचनामा बनाया गया और शव को एंबुलेंस की मदद से श्मशान घाट ले गए थे। यहां रोहिताश की बॉडी को चिता पर रखा तो उसकी सांस चलने लगी और शरीर हिलने लगी थी। यह देखकर वहां मौजूद सभी लोग डर गए रहे। इसके बाद तुरंत एंबुलेंस बुलाकर रोहिताश को अस्पताल लाया गया था। कुछ घंटों के बाद युवक को गंभीर हालात में जयपुर रेफर कर दिया था। जहां उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में जिला कलेक्टर ने एक्शन लेते हुए तीन डॉक्टरों को सस्पेंड कर दिया था। युवक की पहचान झुंझुनूं पुलिस के लाइन के पास रहने वाले बीरबल (22) पुत्र मांगीलाल जोधपुरिया की रूप में हुई थी। वह मानसिक रूप से विमंदित था। उसके पिता मांगीलाल का निधन हो चुका है। मां देखभाल करती थी। जनवरी 2024 में बीरबल घर से निकल गया था। परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दी थी। उसका कोई पता नहीं चल पाया था। 28 सितंबर को बगड थाना पुलिस ने उसे आदर्श नगर स्थित विमंदित पुनर्वास केंद्र में छोडा था। तब से वह पुनर्वास केंद्र में ही रह रहा था। मामले सामने आने के बाद उसके भाइयों ने अन्य रिश्तेदारों ने पहचान की थी। इस मामले में चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने चिकित्सा विभाग के निदेशक को उच्चस्तरीय समिति बनाकर जांच करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद चार लोगों की हाई लेवल कमेटी गठित की गई थी। टीम में संयुक्त निदेशक डॉ. नरोत्तम शर्मा, कावंटिया अस्पताल जयपुर के मेडिकल जूरिस्ट डॉ. अजय श्रीवास्तव, प्रमुख विशेषज्ञ डॉ. हिम्मत सिंह और डॉ. धीरज वर्मा रहे।

- संविधान दिवस पर प्रदर्शनी व संगोष्ठी आयोजित

संविधान एक जीवंत दस्तावेज, हमारा समर्पण व कृतज्ञता रहे : सुराणा

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.)। जिला प्रशासन, सूचना व जनसंपर्क विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू और राजकीय विधि महाविद्यालय, चूरू के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस के उपलक्ष में मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित राजकीय विधि महाविद्यालय में प्रदर्शनी व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि जिला कलक्टर सुराणा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ शरद कुमार व्यास, एडीपीआर कुमार अजय, विधि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एसके सैनी सहित अतिथि मंचस्थ रहे। विधि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एसके सैनी व एपीआरओ मनीष कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो हमें सुरक्षा व संरक्षा प्रदान करता है। संविधान ने संपूर्ण देश को एक धागे में पिरोते हुए हमें एक व्यवस्था बना कर दी है। यह हमें अधिकार देता है और अधिकारों के साथ मूल कर्तव्य भी देता है। किसी भी व्यवस्था के समुचित संचालन के लिए आवश्यक नीति निर्देशक तत्वों को भी भारतीय संविधान में समाहित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारा समर्पण एवं कृतज्ञता संविधान के प्रति रहे। संविधान ड़सा दस्तावेज है जो प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करता है। प्रकृति में हमारा संविधान कठोर होने के साथ लचीला स्वभाव रखता है। इसमें समय की जरूरत के मुताबिक बदलाव किया जा सकता है, परंतु इसकी मूल संरचना में बदलाव नहीं किया जा सकता। यह ताकत हमारे संविधान की ही है, जिससे सभी के अधिकारों व कर्तव्यों की सुरक्षा सुनिश्चित हो पाती है। हमारे संविधान ने हमें विशेषाधिकार दिए हैं और लोकतंत्र की व्यवस्था कायम की है। सुराणा ने कहा कि हम जब बाहर किसी देश में रहते हैं तो हमें पता चलता है कि हमारा देश कितना समृद्ध और विकसित विरासत सहेजे हुए हैं। संविधान हमें जीवन जीने का अधिकार देता है। भारत में विभिन्न जाति, वर्गों, समुदायों, रंगों के साथ अनेकता में एकता प्रदान करने का काम हमारे संविधान ने किया है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण करना आसान काम नहीं था। देश के करीब 300 लोग ढाई साल के लिए एक साथ बैठे और सहमतिपूर्वक एक निर्णय लेकर ' संविधान' दस्तावेज दिया। संविधान देश को आगे बड़ाने वाला दस्तावेज है। हम इस संविधान निर्माण के पीछे निहित सोच को आगे बड़ाएं। देश के विकास के लिए संकल्पित होकर स्वयं को एक सहयोगी की भूमिका में रखें। उन्होंने विधि महाविद्यालय छात्रों से कहा कि आप अपने पेशे में विभिन्न लोगों को सलाह एवं विधिक जानकारी देंगे। हम अपनी जिम्मेदारियां समझें और संविधान के प्रति लोगों को समर्पण व विश्वास को मजबूती प्रदान करें। विशिष्ट अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ शरद कुमार व्यास ने कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति जिस किसी पद या प्रतिष्ठा का हकदार है, यह हमारा संविधान हमें वह प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संविधान केवल एक किताब नहीं है, यह गहन चिंतन के साथ एक सारगर्भित विचार है। ड़सा कहना भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगा कि भारत में सब कुछ संविधान है। हम सभी संविधान के गुणों को अपनाएं और इसे अपने व्यक्तित्व में शामिल करें। संविधान की मूल भावना को व्यक्तित्व में उतारने से हम पाएंगे कि हमारा व्यक्तित्व और अधिक तेजयुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि संविधान ने सभी धर्म, वर्गों, वर्णों को शामिल करते हुए एकजुट किया है। हमें संविधान में गहरी आस्था रखते हुए लेजिसलेच्योर पढ़ते हुए मंतव्य पर काम करना है। उन्होंने कहा कि संविधान की निंदा करने वाले लोगों को समझना होगा कि संविधान प्रत्येक आदमी की सुरक्षा करता है। यह उन लोगों को भी सुरक्षा देता है जो इसमें विश्वास नही रखते। डॉ व्यास ने कहा कि संविधान ने समाज में कुरीतियों एवं रूढ़ियों को मिटाकर एक वैज्ञानिक व प्रायोगिक दृष्टिकोण पैदा किया है। हम अपने व्यवहार में संविधान के गुणों को अपनाएंगे तो और बेहतर बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि संविधान ने हमारे जीवन की बेतरतीबी को ठीक किया है। हमें संविधान की विशेषताओं, समता, शक्तियों के विकेंद्रीकरण और ज्ञान के सर्वोच्चता को अपने व्यक्तित्व में शामिल करना चाहिए। राजकीय विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एस के सैनी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस पर जिला प्रशासन तथा सूचना व जनसंपर्क विभाग की ओर से प्रदर्शनी व गोष्ठी का आयोजन किया जाना महाविद्यालय के लिए अच्छी पहल है। इससे संविधान के प्रति जनमानस में व्याप्त आस्था व विश्वास मजबूत होगा। महाविद्यालय प्रशासन ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए जिला प्रशासन के साथ सदैव सहयोगी की भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एडीपीआर कुमार अजय से सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि संविधान संपूर्ण देशवासियों के लिए एक पवित्र किताब है। आज प्रत्येक व्यक्ति को जीवन की संपूर्ण संभावनाएं संविधान ने दी हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों में वैज्ञानिक व लोकतांत्रिक दृष्टिकोण का विकास करें। हम अपनी जिम्मेदारी समझें और नागरिक दायित्वों का समुचित निर्वहन करते हुए लोगों को भी अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रेरित करें। हम अपनी प्रतिबद्धता दिखाएं और मानववादी वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए कॉमन सेंस के साथ व्यवहार में चीजों को लाएं।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।